mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-235 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
27 अगस्त 2025 बुधवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन
@ पेज 7

आज गणेश चतुर्थी

गणपति स्थापना के लिए रहेंगे दो मुहूर्त

नई दिल्ली,एजेंसी। 27 अगस्त, यानी आज गणेश चतुर्थी है। इस दिन, चित्रा नक्षत्र, बुधवार और भाद्रपद महीने की चतुर्थी तिथि से शुभ संयोग बन रहा है। गणेश पुराण में बताया गया है कि ऐसे ही संयोग में देवी पार्वती ने दोपहर के समय गणपति की मूर्ति बनाई थी, जिसमें भगवान शिव ने प्राण डाले थे। इस खास दिन पर गणपति की स्थापना के लिए दो शुभ मुहूर्त रहेंगे।

भादों महीने की इस गणेश चतुर्थी पर गणपति को सिद्धि विनायक रूप में पूजने का विधान है। इस रूप की पूजा भगवान विष्णु ने की थी और ये नाम भी दिया।

गणेश जी के सिद्धि विनायक रूप की पूजा हर मांगलिक काम से पहले होती है। माना जाता है गणेश जी का ये रूप सुख और समृद्धि देने वाला होता है। इनकी पूजा से हर काम में सफलता मिलती है। इसलिए इन्हें सिद्धि विनायक कहते हैं।

बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश होंगे जस्टिस चंद्रशेखर

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की सिफारिश

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने बॉम्बे हाईकोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश के लिए जस्टिस श्री चंद्रशेखर के नाम की सिफारिश की है। यह निर्णय 25 अगस्त को हुई कॉलेजियम की बैठक में लिया गया। जस्टिस चंद्रशेखर फिलहाल बॉम्बे हाईकोर्ट में ही जज के तौर पर कार्यरत हैं, जबकि उनकी पैतृक अदालत झारखंड हाईकोर्ट है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की इस बैठक की अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश ने की, जिसमें जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ भी शामिल थे। बैठक में कई अहम फैसले लिए गए, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पद पर जस्टिस श्री चंद्रशेखर की नियुक्ति की सिफारिश रही।

शिवकुमार बोले- मैंने भाजपा की टांग खींचने की कोशिश की

मैं जन्मजात कांग्रेसी, कांग्रेसी ही मरूंगा

बेंगलुरु,एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की प्रार्थना वंदना गाने को लेकर विवाद के बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को फिर से सफाई दी। उन्होंने कहा- मैंने उनकी (भाजपा) टांग खींचने की कोशिश की थी। मेरे कुछ दोस्त इसका राजनीतिक दुरुपयोग करके भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।शिवकुमार ने कहा- मैं जन्मजात कांग्रेसी हूं और एक कांग्रेसी के रूप में ही मरूंगा। कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार के प्रति मेरी ईमानदारी पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। अगर कांग्रेसियों और इंडिया ब्लॉक को मेरी टिप्पणी से ठेस पहुंची है, तो मुझे दुख है।

बॉर्डर से 30 किमी तक के दायरे में सभी अतिक्रमण हटेंगे, बढ़ेगी केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की जिम्मेदारी

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सीमांत गांवों में दूरसंचार, सड़क संपर्क, शिक्षा, स्वास्थ्य और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था होनी चाहिए। वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम वीवीपी को सरकारी प्रोग्राम नहीं, प्रशासन की स्पिरिट बनाना है। गृह मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य तभी प्राप्त हो सकेगा, जब यह प्रशासन की स्पिरिट बनेगा। वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम में मनरेगा के तहत कुछ नए तालाब बनाने, सघन वृक्षारोपण और स्थायी इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण की संभावना पर भी विचार किया जाना चाहिए। सीमा से कम से कम 30 किलोमीटर तक के दायरे में सभी अवैध अतिक्रमण हटाए जाने चाहिए। गुजरात ने इस दिशा में बहुत अच्छा काम किया है, वहां समुद्री और भू सीमा से ढेर सारे अतिक्रमण हटाए गए हैं। गृह मंत्री ने मंगलवार को नई दिल्ली में गृह मंत्रालय के सीमा प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि यह बात कही है। शाह ने कहा कि वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-1 में हम कार्यक्रम तक सीमित रहे, लेकिन वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-2 में हमें प्रशासन का दृष्टिकोण बदलने की जरूरत है। उन्होंने सीमावर्ती जिलों के कलेक्टरों से कहा कि वे अवैध धार्मिक अतिक्रमण को हटाने की दिशा में उचित कार्रवाई करें। ये अतिक्रमण एक सुनिश्चित डिजाइन के तहत हो रहे हैं। सभी अवैध अतिक्रमण हटाए जाने चाहिए। अपने सम्बोधन में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम का विचार तीन बिंदुओं पर आधारित है, जिनमें सीमांत गांवों से पलायन रोकना, सीमांत गांवों के हर नागरिक को केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करना है। वीवीपी में चिह्नित गांवों को सीमा और देश की सुरक्षा के लिए एक उपकरण बनाना शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के विचार को सामने रखा था, तब यह तय हुआ था कि इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए। न केवल हर सीमांत गाँव को सभी सुविधाओं से युक्त बनाया जाएग, बल्कि सीमांत गांवों में रहने वाले हर नागरिक को भारत सरकार और राज्य सरकार की सभी योजनाओं से लैस करके उनके व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बनाया जाए। साथ ही इन गांवों को देश और सीमा की सुरक्षा के मजबूत उपकरण के तौर पर विकसित किया जाए।

वोटर अधिकार यात्रा में प्रियंका गांधी भी शामिल

सुपौल होते हुए मधुबनी पहुंचा राहुल का काफिला तेजस्वी बोले- एनडीए मतलब नहीं देंगे अधिकार

सुपौल, एजेंसी। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के 10वें दिन राहुल गांधी को बहन प्रियंका का साथ मिला है। एक दिन के ब्रेक के बाद मंगलवार को सुपौल से यात्रा फिर शुरू हुई। काफिला कोसी महासेतु के रास्ते NH-27 होते हुए मधुबनी पहुंचा। आज की यात्रा में प्रियंका के अलावे तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी भी हैं। साथ ही नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव और माले नेता दीपांकर भट्टाचार्य भी शामिल हैं। सुपौल में राहुल का काफिला 3 घंटे तक रहा।

इस दौरान भीड़ से वोट चोर-गद्दी छोड़ के नारे लगे। वहीं प्रियंका गांधी हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन करती नजर आई। यात्रा के ड्रोन व्यू में लोगों का हुजूम उमड़ा दिख रहा है।

तेजस्वी बोले- NDA का मतलब नहीं देंगे अधिकार

सुपौल से होते हुए ये यात्रा मधुबनी पहुंचेगी। इसके बाद लोहिया चौक पर एक जनसभा होगी। यात्रा के दौरान सिजौलिया में अति पिछड़ा सम्मेलन होगा। सम्मेलन के बाद लंच ब्रेक है। इसके बाद राहुल गांधी का काफिला मोहन चौक होते हुए आगे बढ़ेगा। जनसभा के बाद राहुल रात में सकरी में ही रुकेंगे। इधर, पटना से सुपौल के लिए निकलने के दौरान तेजस्वी ने कहा, यात्रा को लेकर जनता में भारी उत्साह है, लोगों का प्यार महागठबंधन को मिल रहा है। जिससे NDA के लोगों को बेचैनी हो रही है। हमने पहले भी कहा, NDA का मतलब है- नहीं देंगे अधिकार।

गुजरात में बोले पीएम मोदी

अब दुनिया के दर्जनों देशों में जो ईवी चलेगी, उस पर लिखा होगा- मेड इन इंडिया

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अहमदाबाद में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने गुजरात स्थित टीडीएस लिथियम-आयन बैटरी प्लांट में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के स्थानीय उत्पादन की शुरुआत की। यह प्लांट तोशिबा, डेंसो और सुजुकी का संयुक्त उद्यम है। इस दौरान सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष व प्रतिनिधि निदेशक तोशीहिरो सुजुकी और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी उपस्थित थे। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अब दुनिया के दर्जनों देशों में जो ईवी चलेगी, उसपर लिखा होगा- मेड इन इंडिया।

अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा, गणेश उत्सव के इस उल्लास में आज भारत की मेक इन इंडिया यात्रा में एक नया अध्याय जुड़ रहा है। मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड हमारे उस लक्ष्य की ओर एक बड़ी छलांग है। आज से भारत में बनी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स 100 देशों को एक्सपोर्ट की जाएंगी। साथ ही आज हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोल मैन्युफैक्चरिंग की भी शुरुआत हो रही है।

उन्होंने कहा कि यह दिन भारत और जापान की दोस्ती को भी एक नया आयाम दे रहा है। मैं सभी देशवासियों, जापान और सुजुकी कंपनी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। भारत की सफलता की कहानी के बीज करीब 13 साल पहले बोए गए थे। 2012 में जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब मैंने मारुति सुजुकी को हंसलपुर में जमीन अलॉट की थी। विजन उस समय भी आत्मनिर्भर भारत का था, मेक इन इंडिया का था। हमारे तब के प्रयास आज देश के संकल्पों को पूरा करने में इतनी बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा, भारत के पास लोकतंत्र की शक्ति है। भारत के पास जनसांख्यिकी का सकारात्मक फैक्टर है। हमारे पास कुशल कार्यबल का बहुत बड़ा पूल भी है। इसलिए ये हमारे हर साथी के लिए विन-विन सिचुएशन यानी फायदा ही फायदा वाली स्थिति बनाता है। आज सुजुकी जापान भारत में मैन्युफैक्चरिंग कर रही है, और यहां बनी गाड़ियां वापस जापान को एक्सपोर्ट की जा रही हैं। यह भारत और जापान के रिश्तों की मजबूती का प्रतीक तो है ही, साथ ही भारत को लेकर ग्लोबल भरोसे को भी दर्शाता है।

पीएम मोदी ने ई-विटारा को दिखाई हरी झंडी -

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने हंसलपुर प्लांट से मारुति सुजुकी की पहली ग्लोबल इलेक्ट्रिक कार ई-विटारा को हरी झंडी दिखाई। इसी दौरान उन्होंने हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड उत्पादन संयंत्र का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने इसे भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक करार दिया।

भारत पर आज से 50प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ ,यूएस ने 25प्रतिशत एक्स्ट्रा टैक्स का नोटिफिकेशन जारी किया

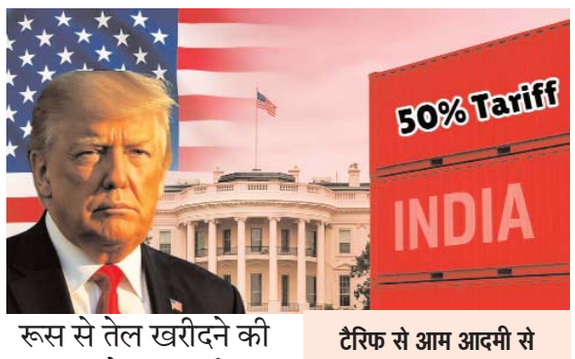

रूस से तेल खरीदने की वजह से यह जुर्माना

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिका ने मंगलवार को भारत पर एडिशनल 25% एडिशनल टैरिफ लगाने का ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी कर दिया। भारतीय समय के अनुसार यह टैरिफ बुधवार यानी 27 अगस्त को सुबह 9:31 बजे लागू हो जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 6 अगस्त को रूस से तेल खरीद पर जुर्माने के तौर पर इस टैरिफ का ऐलान किया था।

ट्रम्प व्यापार घाटे का हवाला देकर भारत पर 7 अगस्त से 25%टैरिफ पहले ही लगा चुके थे। यानी अब अमेरिका निर्यात होने वाले भारतीय सामानों पर कुल टैरिफ 50% तक होगा।

मंगलवार को जारी आदेश में लिखा है, जो ड्यूटी इस दस्तावेज की सूची में बताई गई है, वह भारत से आने वाली चीजों पर लागू होगी। ये चीजें या तो अमेरिका में इस्तेमाल के लिए लाई जाएंगी या गोदाम से इस्तेमाल के लिए निकाली जाएंगी। यह नियम 27 अगस्त 2025 को 12:01 AM EST से लागू हो जाएगा।

टैरिफ से आम आदमी से इकोनॉमी तक पर असर होगा,

1. इंडस्ट्रीज पर असर - जिन इंडस्ट्रीज पर असर होगा : ट्रम्प के टैरिफ से ज्वेलरी, टेक्सटाइल, ऑटो, सीफूड सेक्टर की इंडस्ट्रीज का मुनाफा घट सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर अमेरिका के साथ ट्रेड डील नहीं होती है या टैरिफ कम नहीं होता है तो 48.2 अरब डॉलर के निर्यात पर सीधा असर पड़ेगा।

जिन पर टैरिफ का असर नहीं होगा- अमेरिका के इस टैरिफ का असर IT, फार्मास्यूटिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री पर नहीं होगा। अभी इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्शन 232 के तहत छूट मिली है। जब तक इसकी घोषणा नहीं होती तब तक अमेरिका को एपल, सैमसंग जैसे स्मार्टफोन्स के निर्यात पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वहीं फार्मा पर मौजूदा टैरिफ 0% है, लेकिन ट्रम्प ने 18 महीने में 150% और बाद में 250त्न टैरिफ की धमकी दी है। जब तक ये लागू नहीं होता तब तक छूट मिलती रहेगी। आईटी इंडस्ट्री सर्विस सेक्टर का पार्ट है इसलिए वो भी इस 50%टैरिफ के दायरे में नहीं आती है।

सीडीएस बोले- शांति चाहिए तो युद्ध के लिए तैयार रहें,भारत शांतिप्रिय देश लेकिन शांतिवादी नहीं

महू, एजेंसी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने कहा कि भले ही भारत शांतिप्रिय देश है, लेकिन हम शांतिवादी नहीं हैं। दुश्मन गलतफहमी में न रहे। देश की सेनाएं युद्ध के लिए हमेशा तैयार हैं। सीडीएस मंगलवार को मध्यप्रदेश के महू स्थित आर्मी वॉर कॉलेज में आयोजित रण संवाद-2025 कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और तीनों सेनाओं के चीफ भी शामिल हो रहे हैं। सीडीएस जनरल चौहान ने कहा कि शक्ति के बिना शांति एक यूटोपियन धारणा है। जनरल चौहान ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की पंक्तियां दोहराते हुए कहा, 'क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो, उसको क्या जो दंतहीन विषरहित, विनीत, सरल हो।' सीडीएस ने कहा कि मैं एक लैटिन कोट कहना चाहूंगा, जिसका हिंदी अनुवाद है कि अगर आप शांति चाहते हैं तो युद्ध के लिए तैयार रहें। क्योंकि, शक्ति से ही शांति आ सकती है। ऑपरेशन सिंदूर एक न्यू एज वॉर था, जिससे हमने कई सबक सीखे। ऑपरेशन अभी जारी है।

कांग्रेस-भाजपा ने साधा निशाना

वैश्विक अयप्पा सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे स्टालिन, विजयन को लिखा पत्र

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपने केरल समकक्ष पिनरई विजयन को सूचित किया है कि वह 20 सितंबर को पंबा में होने वाले वैश्विक अय्यप्पा सम्मेलन में पहले से तय कार्यक्रमों के कारण शामिल नहीं हो पाएंगे। उन्होंने कहा कि वह अपनी ओर से दो मंत्रियों को इस आयोजन में भेजेंगे। स्टालिन की ओर से यह जवाब तब आया है, जब भाजपा दोनों मुख्यमंत्रियों की संभावित भागीदारी का कड़ा विरोध कर रही है। स्टालिन ने विजयन को पत्र लिखकर बताया कि त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड की 75वीं वर्षगांठ पर आयोजित इस सम्मेलन में वह पहले से तय कार्यक्रमों की वजह से शामिल नहीं हो सकेंगे। यह बोर्ड प्रसिद्ध सबरीमाला अय्यप्पा मंदिर का प्रबंधन करता है और यह सम्मेलन 20 सितंबर को पवित्र पंबा नदी के किनारे आयोजित किया जाएगा। सोमवार रात को जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, स्टालिन ने अपने पत्र में कहा, मैं त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के प्लेटिनम जुबली समारोह में पहले से तय कार्यक्रमों के चलते शामिल नहीं हो पा रहा हूं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वह अपनी जगह दो मंत्रियों पी. के. शेखर बाबू (हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग) और पालनिवेल थियागराजन (सूचना प्रौद्योगिकी विभाग) को इस आयोजन में भेजेंगे।

जम्मू के डोडा में बादल फटा, 4 की मौत 10 घर बहे, राहत और बचाव का काम जारी

● वैष्णो देवी यात्रा रोकी गई ● भारी बारिश का अलर्ट जारी

जम्मू/शिमला ,एजेंसी। जम्मू के डोडा जिले में मंगलवार को कई जगहों पर बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। इसमें 10 से 15 घर बह गए। डोडा में पिछले 24 घंटे के दौरान 4 लोगों की मौत हुई है। हालांकि, ये मौतें किन इलाकों में हुई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

एक अधिकारी ने बताया कि दो लोगों की मौत घर गिरने से हुई, जबकि दो की मौत लगातार बारिश के कारण आई अचानक बाढ़ में हुई है। बाढ़ में रिहायशी इलाकों और अन्य संपत्तियों को काफी नुकसान पहुंचा है। राहत और बचाव का काम जारी है। जम्मू-कश्मीर में लगातार तीन दिन से रुक-रुक कर भारी बारिश हो रही है। खराब मौसम के कारण वैष्णो देवी की यात्रा स्थगित कर दी गई है। राज्य में दो दिनों के लिए स्कूल बंद कर दिए हैं। कई सड़कें और रेल सेवाएं ठप हैं। जम्मू-श्रीनगर और बटोटे-किश्तवाड़ सहित कई नेशनल हाईवे भी बंद हैं, जिससे वाहनों की आवाजाही रुक गई है।

इससे पहले, किश्तवाड़ जिले के चसोटी गांव में 14 अगस्त को बादल फटा था। इसमें 65 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 200 लोग अब भी लापता हैं। बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में मचैल माता यात्रा के लिए पहुंचे कई श्रद्धालु, उनकी बसें, टेंट, लंगर और दुकानें बह गई थीं।

जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश का अलर्ट जारी : इंडियन मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट (IMD) ने कठुआ, सांबा, डोडा, जम्मू, रामबन और किश्तवाड़ समेत जम्मू क्षेत्र के कई जिलों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी किया है। केंद्र शासित प्रदेश में नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है, जिससे कई इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है।

भारी बारिश के कारण रियासी जिले के सीला गांव के पास भूस्खलन हुआ है। इसके कारण कटरा-शिवखोड़ी नेशनल हाईवे बंद हो गया है। हाईवे पर मलबा और चट्टानें गिर गई हैं, जिससे ट्रैफिक ठप हो गया है।

सीकर में बांध टूटा, घरों-स्कूलों में भरा गंदा पानी

खेत डूबे, बीमारी का खतरा, नेशनल हाईवे पर पानी, दावा- 40 साल बाद ऐसा मंजर

सीकर,एजेंसी। सीकर में 25 अगस्त को हुई तेज बारिश से शहर व आसपास के इलाके डूब गए। शहर से करीब ढाई किलोमीटर दूर नानी गांव को सबसे ज्यादा मार झेलनी पड़ी। कच्चा बांध टूटने से डूबे इस गांव में अब बीमारी का खतरा मंडरा रहा है। स्कूल का ग्राउंड तालाब बन चुका है, पास से निकल रहे नेशनल हाईवे-52 पर भी पानी जमा है। किसानों को भी फसल डूबने से लाखों का नुकसान हुआ है।

सुरक्षा के लिए बनाया गया बांध टूटा : नानी गांव के सरपंच मोहनलाल बाजिया ने बताया- शहर का गंदा पानी गांव में न आए, इसलिए कच्चा बांध बनाया गया था। रविवार दोपहर सड़क के दोनों तरफ बना ये बांध टूट गया। बारिश के साथ गंदा पानी गांव में घुस गया। सरपंच ने बताया- गंदा पानी नालों के जरिए नई बीहड़ में छोड़ा जाता है।

दिल्ली बनेगी देश की ईवी कैपिटल, 2026 तक राजधानी में दौड़ेंगी 8,000 इलेक्ट्रिक बसें

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने कहा है कि फरवरी 2026 तक राजधानी की सड़कों पर 7,000 से 8,000 नई इलेक्ट्रिक बसें दौड़ेंगी। इसके साथ ही दिल्ली देश की इलेक्ट्रिक व्हीकल कैपिटल के रूप में अपनी पहचान और मजबूत करेगी।

अभी कितनी ई-बसें चल रही हैं : फिलहाल दिल्ली में करीब 3,400 इलेक्ट्रिक बसें हैं, जबकि मंत्री पद संभालने के समय यह संख्या सिर्फ 400 थी। पंकज सिंह ने बताया कि इस साल के अंत तक यह संख्या बढ़कर 6,000 तक पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा, दिल्ली में रूट के हिसाब से 7,000 से 8,000 बसों की जरूरत है और हमें पूरा भरोसा है कि फरवरी तक हम यह लक्ष्य हासिल कर लेंगे। यह बयान उन्होंने सोमवार को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित इंडिया क्लीन ट्रांसपोर्टेशन समिट 2025 के दौरान दिया।

देवी बसें और नई ईवी पॉलिसी : बस बेड़े के विस्तार के साथ-साथ दिल्ली की देवी बसें भी शामिल होंगी, जो लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगी।

पंकज सिंह ने बताया कि फरवरी तक दिल्ली की नई ईवी पॉलिसी 2.0 भी लॉन्च होगी। जिसमें खास तौर पर चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा, हम हाउसिंग सोसाइटी, फ्लाईओवर के नीचे और आउटर दिल्ली की खाली जमीन पर चार्जिंग पॉइंट बना रहे हैं। इसमें आरडब्ल्यूए (रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) को शामिल किया जाएगा और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल भी अपनाया जाएगा। नई पॉलिसी में पुराने वाहनों को स्क्रैप करना, रोड टैक्स और इंसेंटिव्स जैसे प्रावधान होंगे। पसंद आएगी।सामाजिक जांच रिपोर्ट में कहा गया कि अहुजा अब अपराध करने की क्षमता खो चुके हैं और समाज में उपयोगी सदस्य बन सकते हैं। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि एसआरबी आठ सप्ताह के भीतर नई बैठक बुलाकर मामले पर पुनर्विचार करे और कानूनी सिद्धांतों के अनुरूप तर्कपूर्ण आदेश जारी करे।

दिल्ली-ओस्लो स्मार्ट ट्रांसपोर्ट इनिशिएटिव : मंत्री ने बताया कि दिल्ली नॉर्वे की राजधानी ओस्लो के अनुभवों से भी सीख लेगी। इसके लिए प्रस्तावित दिल्ली-ओस्लो स्मार्ट ट्रांसपोर्ट इनिशिएटिव शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा, ओस्लो से हमारी दोस्ती हमें बेहतरीन तकनीक तक पहुंचाने में मदद करेगी और हम सही दिशा में आगे बढ़ पाएंगे।

बाघिन अदिति का एक और शावक मरा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में 18 साल बाद आई खुशी मातम में बदल गई है। सात वर्षीय रायल बंगाल बाघिन अदिति का एक शावक फिर से मर गया। वहीं, एक शावक का अभी इलाज चल रहा है। अदिति ने चार अगस्त को छह शावकों को जन्म दिया था। अब तक उसके कुल पांच शावक मर चुके हैं। चार पहले ही मर गए थे। लगातार मर रहे शावकों से चिड़ियाघर प्रबंधन की संरक्षण योजना पर सवाल खड़े हो गए। चिड़ियाघर प्रबंधन के मुताबिक, जन्म के कुछ दिन बाद ही शावकों ने दूध पीना बंद कर दिया और उनमें संक्रमण के लक्षण दिखने लगे। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन विशेषज्ञों की तमाम कोशिशों के बावजूद एक-एक कर पांच शावकों की मौत हो गई। फिलहाल केवल एक शावक ही जीवित और सामान्य बताया जा रहा है। चिड़ियाघर निदेशक संजीत कुमार ने बताया कि 19 और 20 अगस्त को अस्पताल में भर्ती कराए गए शावकों में से एक ने रविवार दोपहर को इलाज के दौरान दम तोड़ा। 15 अगस्त को इलाज के लिए अस्पताल में भेजा गया शावक स्वस्थ है। एक तरफ केंद्र सरकार जहां बाघों के संरक्षण पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है।

दिल्लीवालों सावधान! यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के पार, बने बाढ़ जैसे हालात

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में यमुना का जलस्तर मंगलवार सुबह पुराने रेलवे पुल पर चेतावनी के निशान 204.50 मीटर को पार कर गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सुबह नौ बजे यमुना का जलस्तर 204.58 मीटर रहा। जलस्तर में बढ़ोतरी जारी रहने के पूर्वानुमान को देखते हुए स्थिति पर नजर दिल्ली में यमुना का जलस्तर मंगलवार सुबह पुराने रेलवे पुल पर चेतावनी के निशान 204.50 मीटर को पार कर गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सुबह नौ बजे यमुना का जलस्तर 204.58 मीटर रहा। जलस्तर में बढ़ोतरी जारी रहने के पूर्वानुमान को देखते हुए स्थिति पर नजर रखी जा रही है और सभी संबंधित एजेंसियों को बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने कहा, ''जलस्तर बढ़ने का मुख्य कारण वजीराबाद और हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जाना है। पूर्वानुमान है कि जलस्तर और बढ़ेगा लेकिन आज शाम तक इसके खतरे के निशान से नीचे ही रहने की संभावना है। बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार, हर घंटे हथिनीकुंड बैराज से लगभग 36,658 क्यूसेक और वजीराबाद बैराज से 35,640 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

नदी के प्रवाह और संभावित बाढ़ के खतरों पर नजर रखने के लिए पुराना रेलवे पुल एक प्रमुख अवलोकन बिंदु के रूप में कार्य करता है। दिल्ली के लिए चेतावनी चिह्न 204.50 मीटर, खतरे का निशान 205.33 मीटर और निकासी 206 मीटर पर शुरू होती है। बैराज से छोड़ा गया पानी दिल्ली तक पहुंचने में आमतौर पर 48 से 50 घंटे का समय लेता है। ऊपरी इलाकों से कम मात्रा में पानी छोड़े जाने से भी जलस्तर बढ़ रहा है, जिससे दिल्ली में यह चेतावनी के निशान के करीब पहुंच गया है।

लगातार तीसरे दिन अदालतों में सन्नाटा, सड़क पर उतरे वकील

नई दिल्ली,एजेंसी। उपराज्यपाल की ओर से 13 अगस्त को जारी अधिसूचना के खिलाफ वकीलों का विरोध लगातार जारी है। सोमवार सुबह से ही राजधानी की सातों जिला अदालतों के अधिवक्ताओं ने कोर्ट परिसर के बाहर सड़क पर उतरकर पोस्टर-बैनर के साथ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान वकील काला कानून वापिस लो, वकील एकता जिंदाबाद, मनमानी नहीं चलेगी जैसे नारों के साथ विरोध प्रकट करते रहे। देर शाम जिला अदालतों की बार एसोसिएशनों की समन्वय समिति की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मंगलवार को भी जिला अदालतों में कामकाज पूरी तरह ठप रहेगा।

सोमवार को कड़कड़डूमा, तीस हजारी, पटियाला हाउस, रोहिणी, द्वारका, साकेत और राउज एवेन्यू अदालतों में कोई भी न्यायिक कार्य नहीं हुआ। वकीलों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कई जगह सड़कों पर जाम की स्थिति भी बन गई। इस दौरान अदालतों में वकील न तो व्यक्तिगत रूप से और न ही वर्चुअल माध्यम से पेश हुए। इस हड़ताल के चलते कई मामलों की सुनवाई प्रभावित हुई और पक्षकारों को नई तारीखें दी गईं। हड़ताल के दौरान जिला अदालतों में पूरा कामकाज ठप रहा। समन्वय समिति के महासचिव अनिल बसोया ने कहा कि उपराज्यपाल का यह आदेश न केवल वकीलों के अधिकारों के खिलाफ है, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया को भी प्रभावित करेगा। साकेत कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव धीर सिंह कसाना ने कहा कि इस अधिसूचना से गवाही और पेशियों की प्रक्रिया प्रभावित होगी।

अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया : पटियाला हाउस कोर्ट के सचिव तरुण राणा ने बताया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री से मुलाकात के बावजूद अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हड़ताल के दौरान अदालतों में न केवल अधिवक्ता बल्कि लोक अभियोजक, ईडी और सीबीआई के वकील, पुलिस अधिकारी और नायाब कोर्ट को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

मुख्य गेट पर ताला लगाकर विरोध जताया : सोमवार सुबह राउज एवेन्यू कोर्ट के मुख्य गेट पर वकीलों ने ताला लगाकर विरोध जताया। करीब एक घंटे तक कोर्ट का गेट बंद रखा और इस दौरान अधिवक्ता एलजी विनय कुमार सक्सेना के खिलाफ नारेबाजी की। वहीं, बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विकास त्रिपाठी ने बताया जब तक यह नोटिफेकिशन वापस नहीं होता है।

सरकारी जमीन पर डीटीसी का कब्जा, एनजीटी ने मांगा स्पष्ट जवाब; जमीन को लेकर डीडीए की अलग ही कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। नजफगढ़ में जल निकाय की भूमि पर अतिक्रमण कर डीटीसी की ओर से बहुमंजिला बस अड्डा बनाने का आरोप लगाने वाले आवेदन पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने डीडीए को स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया है। एनजीटी ने उक्त आदेश तब दिया जब एक हलफनामा में कहा कि यह सारी जमीन ग्राम सभा की जोहड़ है। वहीं, डीटीसी ने दावा किया कि डीडीए ने 1998 में यह जमीन उन्हें बस अड्डा बनाने के लिए दी थी। डीडीए ने भी कहा कि जमीन 1963 में अर्बनाइज घोषित हुई थी और 1974 में डीडीए को सौंपी गई थी। 1981 में यह जमीन डीडीए के उद्यान विभाग को दे दी थी। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने डीडीए की ओर से दायर हलफनामे का हवाला दिया। अदालत ने कहा कि डीडीए के अनुसार, 31 मई 2016 को यह जोहड़ (1.36 एकड़) और आसपास के कई छोटे पार्क दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को सौंप दिए गए थे। ऐसे में इस जलाशय की देखरेख व संरक्षण की जिम्मेदारी उसकी है। वहीं, जिलाधिकारी ने अपने हलफनामों में फिर दोहराया कि ये खसरा नंबर वास्तव में जोहड़ हैं। इससे पहले भी उत्तर-पश्चिम जिलाधिकारी ने खुद डीटीसी की ओर से जल निकाय की भूमि पर अतिक्रमण कर बस टर्मिनल बनाने की पुष्टि की थी। पिछली सुनवाई पर एनजीटी ने डीटीसी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था।

वन विभाग से डीटीसी ने नहीं ली एनओसी : जिलाधिकारी ने अदालत को बताया था कि डीटीसी ने निर्माण गतिविधि के लिए वन विभाग से किसी भी औपचारिक भू-उपयोग में परिवर्तन (सीएलयू) या एनओसी नहीं ली है। संबंधित भूमि नमभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम 2017 के अनुसार पहचान की गई नमभूमि के दायरे में आती है और यह ग्रामसभा की जमीन है। वहीं, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अपने जवाब में कहा कि जल निकाय 31 मई, 2016 को तत्कालीन दक्षिण दिल्ली नगर निगम (अब एमसीडी) को सौंप दिया गया था।डीटीसी का पक्ष = अदालत में हलफनामा दाखिल कर डीटीसी ने कहा था कि संबंधित जल निकाय या तो डीडीए या फिर एमसीडी के स्वामित्व में है। हालांकि, नजफगढ़ बस टर्मिनल किसी भी अधिसूचित जल निकाय पर नहीं है। नजफगढ़ बस टर्मिनल के सबसे नजदीकी जल निकाय टर्मिनल के पीछे है और एमसीडी के स्वामित्व में है।

छात्रों के नाम काटने पर निजी स्कूल को कारण बताओं नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ी फीस का भुगतान न करने पर स्कूली छात्रों के नाम काटने पर सोमवार को शिक्षा निदेशालय ने मयूर विहार विहार फेज-3 स्थित निजी स्कूल को कारण बताओ नोटिस जारी किया। निदेशालय के जोन-2 के उप शिक्षा निदेशक कार्यालय के नोटिस में स्कूल प्रबंधक को छात्रों के नाम न काटने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके लिए निदेशालय ने नियम 35(4) का हवाला दिया है। इस नियम के अनुसार जिनके माता-पिता ने बढ़ी हुई फीस का बकाया भुगतान नहीं किया है जो विभाग द्वारा मंजूर नहीं है। स्कूल उन छात्रों के नाम नहीं काट सकता है। स्कूल पर केजी से लेकर 11वीं के नौ छात्र के नाम काटने का आरोप है। निदेशालय ने स्कूल को नाम काटने के संबंध में पांच दिन के अंदर रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। ऐसा नहीं करने पर दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। वहीं छात्रों के नाम काटे जाने के विरोध में सोमवार को अभिभावकों ने स्कूल के बाहर रोष भी प्रकट किया।

खैबर पख्तूनख्वा में सशस्त्र संघर्ष में पांच जवान सात आतंकी और तीन नागरिकों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के विभिन्न इलाकों में सप्ताहांत और सोमवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच जारी सशस्त्र संघर्ष में पांच सुरक्षाकर्मियों और एक दो साल के बच्चे समेत तीन नागरिकों की मौत हो गई। इस संघर्ष में कम से कम सात आतंकवादी भी मारे गए। डान अखबार ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से प्रसारित खबर में जानकारी दी कि ऊपरी दीर और निचले दीर जिलों में रविवार देररात सुरक्षा बलों और प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के बीच भीषण संघर्ष में पांच संदिग्ध आतंकवादी मारे गए और सात पुलिसकर्मी घायल हो गए। इस गोलीबारी में फंसे हतनार दारा के दो नागरिकों की जान चली गई। मारे गए आतंकियों के संबंध सीमा पार अफगानिस्तान से हो सकते हैं।

बताया गया है कि निचले दीर के लाजबुक दारा इलाके में पुलिस और आतंकवादियों के बीच भारी गोलीबारी हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि हमलावरों ने दो सैन्य ट्रकों और एक कार सहित पुलिस वाहनों को आग लगा दी। टीटीपी ने सोशल मीडिया पर फुटेज साझा करते हुए दावा किया कि लड़ाकों ने वाहनों को कब्जे में लेने के बाद फूंक दिया। इसके अलावा बाजौर जिले में निचले दीर का हेड कांस्टेबल शाह वजीर खान आतंकी हमले में मारा गया। अधिकारियों के अनुसार हंगू जिले में आतंकवादियों ने देररात तोरा वारई एफसी किले पर हमला किया। हमले में हंगू स्काउट्स के दो जवान शहीद हो गए। इसके बाद हुई गोलीबारी में दो आतंकवादी भी मारे गए। खैबर जिले की तिराह घाटी में एक सुरक्षा चौकी पर हुए आतंकवादी हमले में दो जवानों की मौत हो गई। जवानों की पहचान लांस नायक अली हसन जान और सिपाही नबी जान के रूप में हुई है। उत्तरी वजीरिस्तान के मीर अली इलाके में सोमवार को एक घर पर क्वाडकॉप्टर हमले में दो साल का काशिफ जान का बेटा साहिर तुफैल मारा गया और उसकी दादी घायल हो गईं। द ट्रिब्यून एक्सप्रेस की खबर के अनुसार पंजाब प्रांत के शफीकाबाद और बादामी बाग इलाकों में अपराध नियंत्रण विभाग (सीसीडी) के साथ कथित मुठभेड़ में दो संदिग्ध मारे गए।

ट्रंप ने फेडरल रिजर्व बोर्ड की गवर्नर लिसा कुक को किया बर्खास्त

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को घोषणा की कि उन्होंने फेडरल रिजर्व बोर्ड की गवर्नर लिसा कुक को बर्खास्त कर दिया है। इसे अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दरों में कटौती से इनकार करने पर उसकी स्वतंत्रता पर हमलों का अभूतपूर्व कदम माना जा रहा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट बर्खास्तगी पत्र में फेडरल हाउसिंग फाइनेंस एजेंसी के निदेशक बिल पुल्टे के आरोपों का हवाला दिया कि लिसा कुक ने गृह ऋण के आवेदनों में झूठे बयान दिए। सीएनबीसी की खबर में इस घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा की गई है। बताया गया है कि यह पत्र न्याय विभाग के पुल्टे के दावे के कारण कुक की जांच करने की बात कहने के चार दिन बाद आया है। कुक ने सोमवार को एक बयान में कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझे कारण बताकर बर्खास्त करने का दावा किया है, जबकि कानून के तहत कोई कारण मौजूद नहीं है और उनके पास ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है। फेडरल रिजर्व गवर्नर के रूप में सेवा करने वाली पहली अश्वेत महिला कुक ने कहा, मैं इस्तीफा नहीं दूंगी। मैं 2022 से अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मदद के लिए अपने कर्तव्यों का पालन कर रही हूं। सनद रहे कुक की नियुक्ति पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने की थी। उन्होंने अदालत में अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए हाई प्रोफाइल वकील एब्बे लोवेल को नियुक्त किया है। वकील लोवेल ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर हमला करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है और एक बार फिर उनकी धमकाने की प्रतिक्रिया दोषपूर्ण है और उनकी मांगों में किसी भी उचित प्रक्रिया, आधार या कानूनी अधिकार का अभाव है। लोवेल ने कहा, हम राष्ट्रपति की अवैध कार्रवाई को रोकने के लिए हर जरूरी कदम उठाएंगे। फेडरल रिजर्व के प्रवक्ता ने ट्रंप के पत्र पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। जानकार कहते हैं कि उच्चतम न्यायालय अंततः इस पर फैसला सुना सकता है कि उनकी बर्खास्तगी वैध है या नहीं। यदि यह निर्णय बरकरार रहता है तो ट्रंप फेड बोर्ड का नये सिरे से गठन कर सकते हैं। सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन (डेमोक्रेटिक-मैसाचुसेट्स) ने सोमवार रात एक बयान में कहा, लिसा कुक को बर्खास्त करने का अवैध प्रयास एक हताश राष्ट्रपति का अमेरिकियों के लिए लागत कम करने में अपनी विफलता को छुपाने के लिए बलि का बकरा ढूंढने का नवीनतम उदाहरण है। सीनेट बैंकिंग, आवास और शहरी मामलों की समिति की वरिष्ठ सदस्य वॉरेन ने कहा, यह फेडरल रिजर्व अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन है

पत्नी से बदला लेने के लिए बेटी का गला घोंटा, पिता दोषी करार

नई दिल्ली, एजेंसी। तीस हजारी कोर्ट ने पत्नी से बदला लेने के लिए सात वर्षीय मासूम बेटी की हत्या करने वाले पिता को दोषी करार दिया है। दिल दहला देने वाले मामले में आरोपी विराज राय को अपनी 7 साल की बेटी प्रियांशी की हत्या का दोषी करार दिया गया है। यह फैसला 19 अगस्त 2025 को एएसजे सौम्या चौहान ने सुनाया। आरोपी को अपनी पत्नी पर अवैध संबंध का शक था जिस कारण दोनों अलग रह रहे थे। बच्चे पिता के साथ ही रह रहे थे। आदेश में कहा गया कि आरोपी ने अपनी पत्नी से बदला लेने के लिए बेटी का गला तार से दबाकर हत्या की थी।

23 अप्रैल 2019 को मुंडका थाने में एफआईआर दर्ज की गई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, विराज राय ने अपनी बेटी प्रियांशी (7 साल 10 महीने) को गला दबाकर मारने के बाद जानकी दास कपूर मेमोरियल अस्पताल ले गया। अस्पताल में डॉक्टर देविका कपूर के सामने आरोपी ने कबूल किया कि उसने पहले तार से गला दबाया फिर तकिया से मुंह दबाकर हत्या की। डॉक्टर ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया और पुलिस को सूचित किया।

पीड़िता की मां बरखा ने गवाही में बताया कि आरोपी के साथ वैवाहिक विवाद था। वह पत्नी की चरित्र पर शक करता था। 22 अप्रैल 2019 को जनकपुरी डिस्ट्रिक्ट सेंटर में दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का समझौता पत्र बनवाया, जिसमें बच्चे आरोपी के पास रहने लगे थे। अगले दिन सुबह बरखा ने फोन पर बेटी से बात की, लेकिन आरोपी ने कॉल काट दिया। बाद में आरोपी ने रोते हुए सॉरी कहा। फिर बेटे लक्ष्य (तब 6 साल) को घर की चाबी और फोन देकर मां के पास भेज दिया। बरखा अस्पताल पहुंची तो पता चला कि बेटी मर चुकी है और आरोपी पुलिस हिरासत में है। बरखा ने कहा कि आरोपी ने बदला लेने के लिए हत्या की और पुलिस वैन में जाते हुए वह हंसते हुए बाय-बाय कर रहा था।

बयान से पलटा भाई, कहा-पिता को जेल में देखना नहीं चाहता : बेटे लक्ष्य ने मजिस्ट्रेट के सामने गवाही दी कि उसने पिता को बहन का गला दबाते देखा, लेकिन अदालत में वह मुकर गया। अभियोजन पक्ष ने उसे होस्टाइल घोषित किया। लक्ष्य ने कहा कि वह पिता से प्यार करता है और उसे जेल से बाहर चाहता है। अदालत ने डॉक्टर की गवाही, पीसीआर कॉल और मेडिकल सबूतों को विश्वसनीय माना।

बलोच लिबरेशन आर्मी के ऑपरेशन हेरोफ की वर्षगांठ पर बलोचिस्तान में झड़पें, पाकिस्तान के सैनिकों के मारे जाने का दावा

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान, एजेंसी। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के ऑपरेशन हेरोफ की पहली वर्षगांठ पर सोमवार को बलोचिस्तान के कई जिलों में सशस्त्र झड़पें हुई हैं। राजमार्गों की नाकेबंदी और कड़े प्रतिबंध लगाए गए। मस्तुंग जिले में आमच बांध के पास पाकिस्तान की सेना और बलोच लड़ाकों के बीच भीषण झड़पें हुईं। स्थानीय सूत्रों ने दावा किया कि कई सैनिक मारे गए और अनेक घायल हो गए। हेलीकॉप्टरों को शवों और घायल कर्मियों को क्वेटा ले जाते देखा गया। इलाके में अतिरिक्त सैनिकों को तैनात किया गया है। द बलोचिस्तान पोस्ट ने सूत्रों के हवाले आज प्रसारित अपनी खबर में यह जानकारी दी। बताया गया कि बलोच लड़ाकों ने सोमवार रात क्वेटा के पास मस्तुंग के दश्त इलाके में चौकियां स्थापित कीं। इससे पहले दिन में हथियारबंद लोगों ने मस्तुंग जिले के कडकोचा में नाकाबंदी की। इस कारण कई घंटों तक यातायात बाधित रहा।

केच जिले के कलातुक इलाके में लड़ाकों ने मुख्य राजमार्ग पर एक चौकी स्थापित की। इस दौरान लेवी के जवानों को कुछ देर के लिए हिरासत में रखा गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रिहा होने से पहले उनके हथियार छीन लिए गए। हथियारबंद लोग कई घंटों तक सड़क पर वाहनों की तलाशी लेते रहे। इस बीच, सिबी के मिथरी इलाके में एक सुरक्षा चौकी पर हमला हुआ। तुरबत शहर में नाकाबंदी कर रहे पाकिस्तान के बलों को निशाना बनाकर एक ग्रेनेड विस्फोट किया गया। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि कम से कम दो जवान मारे गए या घायल हुए।

इस बीच, पाकिस्तान ने बलोचिस्तान में सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए हैं और कुछ प्रतिबंध लगाए हैं। पाकिस्तान रेलवे ने पुष्टि की है कि क्वेटा और पेशावर के बीच जफर एक्सप्रेस का संचालन दो दिनों के लिए रोक दिया गया है। यह ट्रेन आज भी क्वेटा से पेशावर नहीं जाएगी। बसीमा में रात 10:00 बजे से सुबह 5:00 बजे तक ग्रीन चौक और दुरोग के बीच सभी प्रकार की आवाजाही रोक दी गई। केच के नसीराबाद इलाके में बाजार कई दिनों से बंद हैं। 10 अगस्त को सहायक आयुक्त अफजल बाकी और उनके बेटे के अपहरण के बाद से जियारत में एक हफ्ते से भी अधिक समय से कर्फ्यू जैसे प्रतिबंध लगे हुए हैं। दुकानें, स्कूल और कॉलेज बंद हैं। कई जिलों में इंटरनेट, मोबाइल और बैंकिंग सेवाएं पहले से निलंबित हैं।

ऑपरेशन हेरोफ क्या है : बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने 25 अगस्त 2024 की शाम ऑपरेशन हेरोफ शुरू किया था। इसे बलोचिस्तान को पुनः प्राप्त करने के लिए एक बहुचरणीय प्रतिरोध अभियान का पहला चरण बताया। बलोची और ब्राहुई भाषाओं में हेरोफ शब्द का अर्थ काला तूफान होता है। मजीद ब्रिगेड, स्पेशल टैक्टिकल ऑपरेशंस स्क्वॉड (एसटीओएस) और सैकड़ों लड़ाकों ने इसमें हिस्सा लिया।

39.5 लाख रुपये के क्रिप्टो निवेश धोखाधड़ी में पकड़े गए तीन लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने क्रिप्टो करेंसी निवेश के नाम पर धोखाधड़ी कर एक व्यवसायी से 39.5 लाख रुपये ठगने के आरोप में मुख्य आरोपी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान पहाड़गंज निवासी कृष्ण कुमार उर्फ मोनू (42), गोपालपुर निवासी दीपू (32) और जीटीबी एन्क्लेव निवासी मोहम्मद इरफान शेख (31) के रूप में हुई है।

अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने बताया कि महेंद्र एन्क्लेव के 47 वर्षीय स्टेशनरी दुकान के मालिक (शिकायतकर्ता) को उच्च लाभ दिलाने का वादा कर एक फर्जी सोशल साइट के माध्यम से क्रिप्टो करेंसी में निवेश करने को कहा गया था। इस योजना को असली मानकर शिकायतकर्ता ने विभिन्न बैंक खातों में 39.5 लाख रुपये भेज दिए। जांच के दौरान जांचकर्ताओं को करोल बाग स्थित एक निजी बैंक में आरएस मैनेजमेंट सर्विसेज के नाम से संचालित म्यूल खाता मिला। अधिकारी ने कहा कि इस खाते में 17 फरवरी को ठगी गई राशि में से 10 लाख रुपये आए थे। यह खाता राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज कम से कम नौ अन्य शिकायतों से जुड़ा हुआ था। खाताधारक का नाम कृष्ण कुमार था जो फरार है और गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार अपना आवास और मोबाइल नंबर बदल रहा था।

पी.एम.श्री शा.कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चुरहट में वाटर प्यूरीफायर और वाटर कूलर का हुआ लोकार्पण

सांसद की उपस्थिति में विद्यालय की छात्राओं ने किया लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चुरहट में सांसद डॉ राजेश मिश्र द्वारा स्वेच्छा अनुदान मद से सतासी हजार रूपये की लागत से बालिकाओं को स्वच्छ जल हेतु वाटर कूलर एवं वाटर प्यूरीफायर दिया गया। जिसका लोकार्पण सांसद डॉ मिश्रा के उपस्थिति में विद्यालय की छात्रा विदिशा साकेत, पिंकी यादव, सावित्री साकेत, लक्ष्मी प्रजापति, आकांक्षा नामदेव, कोमल रजक द्वारा किया गया।

सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने विद्यालय में छात्राओं से बातचीत करते हुये बालिका शिक्षा पर जोर दिया। सांसद ने बालिकाओं से कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मेरी पहली प्राथमिकता है। मै सबसे पहले शिक्षा विभाग में जाना पसंद करता हूं और वहां के सुविधाओं में विस्तार को प्राथमिकता देता हूँ। उन्होंने बालिकाओं को अपने शैक्षणिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करने को प्रोत्साहित किया तथा विश्वास व्यक्त किया कि आप सभी बालिकाये अपनी मेहनत और कौशल से देश का मान बढ़ाएंगी।

विद्यालय के प्राचार्य अशोक तिवारी ने बताया कि पचास लीटर क्षमता वाला वाटर कूलर विद्यालय की बालिकाओं के लिये स्वच्छ जल हेतु बहुत उपयोगी है। विद्यालय के 10 बालिकाओं को विभिन्न विशिष्ट उपलब्धि हेतु सांसद ने सम्मानित किया। स्कूटी प्राप्त बालिका एवं लैपटाप प्राप्त बालिकाओं से सांसद डॉ मिश्रा ने संवाद किया एवं समक्ष में बैठी बालिकाओं को प्रोत्साहित किया। सांसद विद्यालय की व्यवस्था, सजावट, विभिन्न गतिविधियों के पोस्टर देखकर बहुत प्रभावित हुये। प्रवेश द्वार पर शिक्षक पोस्टर देखकर सांसद ने विद्यालय परिवार की सराहना की।

कार्यक्रम में स्थानीय गणमान्य नागरिक, विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी रामपुर नैकिन अवध शरण पाण्डेय, ए.पी.सी. रमसा डॉ सुजीत कुमार मिश्र एवं विद्यालय परिवार के साथ बालिकायें उपस्थित रही।

नगरपालिकाओं की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण के लिए अधिकारी नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल द्वारा नगरपालिकाओं की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 01 जनवरी 2025 की स्थिति में तैयार किये जाने के लिए कार्यक्रम जारी गया है। म.प्र. नगरपालिका निर्वाचन नियम 1994 के नियम 3 (2) के अन्तर्गत नगरपालिकाओं की फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण किये जाने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी ने आदेश जारी कर अधिकारियों को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक रजिस्ट्रीकरण एवं नियम 2 (ख) के अन्तर्गत अपीलीय प्राधिकारी नियुक्त किया गया है।

जारी आदेशानुसार नगरपालिका परिषद सीधी के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) गोपद बनास राकेश शुक्ला तथा सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार तहसील गोपद बनास एवं अपीलीय अधिकारी अपर कलेक्टर जिला सीधी को नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार नगर परिषद चुरहट के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी प्रभारी तहसीलदार तहसील चुरहट साक्षी गौतम तथा सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नायब तहसीलदार तहसील चुरहट एवं अपीलीय अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) चुरहट, नगर परिषद रामपुर नैकिन के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी प्रभारी तहसीलदार तहसील रामपुर नैकिन आशीष कुमार मिश्रा तथा सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नायब तहसीलदार तहसील रामपुर नैकिन एवं अपीलीय अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) चुरहट तथा नगर परिषद मझौली के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी प्रभारी तहसीलदार तहसील मझौली दिलीप सिंह तथा सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नायब तहसीलदार तहसील मझौली एवं अपीलीय अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मझौली को नियुक्त किया गया है।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा आवंटित वार्डों से संबंधित कार्य/दायित्वों को निर्वहन सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा किया जावेगा। समस्त सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण में कार्यो को संपादन करेंगे। मतदाता सूची के पुनरीक्षण संबंधी संपूर्ण कार्य राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम एवं निर्देशानुसार पूर्ण किये जाने के लिए रजिस्ट्रीकरण एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पूर्णरूपेण उत्तरदायी होंगे।

अब किसानों को मिलेगी 3 बोरी खाद, वितरण केंद्रों पर पहुंचा नया स्टॉक; प्रति किसान बोरी की सीमा बढ़ी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के किसानों को खाद की किल्लत से राहत मिल गई है। जिले के विभिन्न खाद वितरण केंद्रों पर नई खेप पहुंच गई है। पहले प्रति किसान एक बोरी खाद दी जा रही थी, जिसे अब बढ़ाकर तीन बोरी करने का आश्वासन मिला है। मंगलवार दोपहर को भाजपा कार्यकर्ता और समाजसेवी पवनधर द्विवेदी अमिलिया खाद वितरण केंद्र पहुंचे। यहां किसानों ने टोकन की कमी और खाद की सीमित मात्रा की समस्या बताई। द्विवेदी ने खाद अधिकारियों और अनुविभागीय अधिकारी से बात कर व्यवस्था सुधारने का आश्वासन दिया।

किसान राम स्वयंवर पटेल ने बताया कि इससे पहले हम लोगों ने कई बार आंदोलन भी किया है चक्का जाम भी किया है लेकिन फिर भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। हमें एक बोरी खाद दी जाती है 24 घंटे लाइन में लगने के बाद केवल एक बोरी खाद मिलती है जिसकी वजह से हमारी फसल बर्बाद हो रही है। वितरण केंद्र के प्रभारी विपिन कुमार गौतम ने कहा कि वर्तमान में दो बोरी खाद प्रति किसान दी जा रही है। स्टॉक की कमी है। इसे पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। बरसात से पहले फसल खराब होने और खाद की कमी से किसान परेशान थे। नई खेप आने से किसानों को राहत मिली है।

28 एवं 29 को चौफाल से ऐंठी बारी फीडर विद्युत आपूर्ति बाधित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अधीक्षण अभियंता (संचा-संधा) म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लिमि. सीधी ने सूचना देकर बताया कि 33 के.व्ही. चौफाल से ऐंठी बारी फीडर में 33 के.व्ही. लाइन कंडक्टर स्ट्रींगिंग कार्य के लिए दिनांक 28.08.2025 एवं 29.08.2025 को दोपहर 12 बजे से शाम 04 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

पर्यटन ग्राम के स्कूल में प्राचार्य गायब, बाथरूम भी नहीं

370 बच्चों के लिए सिर्फ चार कमरे, सरपंच-विधायक तक ने की शिकायत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के धौहनी क्षेत्र के पर्यटन ग्राम पोखरा स्थित शासकीय हाईस्कूल में अव्यवस्था का आलम है। गांव वालों का आरोप है कि प्रधानाध्यापक अभिमन्यु सिंह कई दिनों से स्कूल नहीं आए। यहां सात टीचर्स की नियुक्ति होने के बाद भी सिर्फ गिनती के टीचर ही आते हैं। गांव के लोग और जनप्रतिनिधियों ने यहां की शिकायत भी की है, लेकिन कुछ नहीं हुआ। यहां सिर्फ चार टीचर ही मौजूद मिले। बाकी आराम फरमाते दिखे। इसके अलावा, यह विद्यालय केवल चार कमरों में संचालित है। बाकी का भवन जर्जर हो चुका है। इस स्कूल में 370 छात्र-छात्राएं हैं।

बच्चों के लिए न टाट-पट्टी, न ब्लैकबोर्ड: विद्यालय की स्थिति इतनी बदहाल है कि बच्चों के बैठने के लिए टाट-पट्टी तक नहीं है। ब्लैकबोर्ड तक गायब हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि मेंटेनेंस का पैसा भी स्कूल स्टाफ ने गबन कर लिया।

नतीजतन, बच्चे चार कमरों में ठूंस दिए जाते हैं। एक ही शिक्षक कई कक्षाओं को पढ़ाने को मजबूर हैं। शिक्षक उमेश कुमार शुक्ला ने बताया कि मैं पढ़ रहा हूं। बाकी के तीन स्टाफ ऑनलाइन का काम कर रहे हैं। अभिमन्यु सिंह प्राचार्य के बारे में पूछा गया, तब बताया कि अभिमन्यु सिंह आखिरी बार 15 अगस्त को आए थे। उसके बाद से आना नहीं हुआ है।

शौचालयों पर ताले, बच्चे जंगल जाने को मजबूर: स्कूल में बने शौचालयों पर ताले लटके रहते हैं। बालक और बालिका दोनों शौचालय बंद पड़े हैं, जिससे छात्र-छात्राओं को जंगल में शौच करने जाना पड़ता है। इस गंभीर समस्या पर भी प्राचार्य और स्टाफ ने कभी ध्यान नहीं दिया। गांव के इंद्रपाल सिंह ने बताया कि उनके बच्चे भी इसी स्कूल में पढ़ते हैं, लेकिन यहां शिक्षा नाम मात्र की है। प्रधानाध्यापक क्षेत्र का दबंग है, इसलिए कोई अधिकारी उस पर कार्रवाई नहीं करता। धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम भी इस अव्यवस्था की शिकायत कलेक्टर और अधिकारियों से कर चुके हैं। यहां तक कि उन्होंने प्रधानाध्यापक का ट्रांसफर भी करवा दिया था, लेकिन अभिमन्यु सिंह ने हाई कोर्ट से स्टे लेकर आ गए।

विभाग ने टाली जिम्मेदारी: वहीं, प्रभारी प्राचार्य गेंदलाल सिंह ने बताया कि प्राचार्य अभिमन्यु सिंह चार-पांच दिन पहले आए थे, उसके बाद नहीं आए। लगता है, उनकी तबीयत खराब है। जनजाति कार्य विभाग के सहायक आयुक्त जे.एस. उइके ने कहा कि उनकी नियुक्ति को एक महीना हुआ है। पहली बार यह शिकायत मिली है। अब जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी में 'माटी गणेश - सिद्ध गणेश' विषय पर कार्यशाला का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में आज 26 अगस्त को मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वाधान में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.के. सिंह के कुशल निर्देशन में ''माटी गणेश- सिद्ध गणेश'' की संकल्पना के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रुप में श्री शिवदत्त उर्मलिया जिला समन्वयक के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में मध्यप्रदेश शासन की सोच को बताते हुए माटी गणेश की महिमा और पर्यावरण प्रभाव को समझाया।

प्राचार्य डॉ पीके सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में मूर्तियों में लगाए जाने वाले रंग एवं प्लास्टर ऑफ पेरिस के नुकसान को समझाया। साथ ही बताया कि अपने हाथ से बने मूर्तियों से हमारा एक आत्मिक लगाव होता है। कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर के रूप में सानवी गौतम जो महाविद्यालय की बी.काम. तृतीय वर्ष के छात्रा है, ने सभी को काली मिट्टी से मूर्ति बनाना सिखाया। कार्यशाला में महाविद्यालय के अधिकांश शैक्षणिक स्टाफ एवं छात्र छात्राओं ने भाग लेकर मूर्तियां बनाई।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिलीप कुमार सोनी कार्यक्रम अधिकारी (पुरुष) राष्ट्रीय सेवा योजना ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ.रविन्द्र सिंह, क्रीड़ा अधिकारी ने किया। उक्त कार्यशाला में कुल 12 मूर्तियां तैयार हुई। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. के.एस. नेताम, डॉ. अरविंद त्रिपाठी, डॉ. भोला सिंह कुशराम, डॉ. उमाकांत साहू, डॉ. दिवाकर सिंह, डॉ. उमेश सोनी, डॉ. उमेश विश्वकर्मा, डॉ. आशुतोष पांडे, डॉ. राजेश मिश्रा, रामानुज पटेल सहित छात्र-छात्राओं ने शामिल होकर लाभ प्राप्त किया।

सेंगरवार में भव्य मानस का हुआ आयोजन कार्यक्रम में शामिल हुए मनगवां विधायक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हरतालिका तीज की मान्यता है कि पार्वती जी ने शिव जी को पति रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। इसके साथ ही माता पार्वती ने एक मिट्टी का शिवलिंग बनाकर उसकी पूजा-अर्चना की थी। उनकी इस तपस्या से महादेव प्रसन्न हुए और पार्वती जी को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया। इसी उपलक्ष में हरतालिका तीज मनाई जाती हैं। हरतालिका तीज के उपलक्ष में ग्राम पंचायत सेंगरवार कुर्मियान के हनुमान मंदिर में भव्य रूप से श्री रामचरितमानस पाठ एवं महाप्रसाद का आयोजन हुआ जिसमें सभी ग्राम वासियों ने मिलकर हिस्सा लिया और कार्यक्रम को सफल बनाएं। कार्यक्रम में मनगवां विधायक इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति विधायक प्रतिनिधि निलेश मिश्रा विधायक प्रतिनिधि नीलेश तिवारी अभिमान पटेल श्रीनिवास पटेल संदीप पाण्डेय अखिलेश चतुर्वेदी पंचायत स. सचिव रत्नदीप पाण्डेय रामयश पटेल सुरेश पाण्डेय राममणि मिश्रा जगदात्मा शुक्ला रंगलाल पटेल संतोष पटेल एवं सैकड़ों ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

आदिवासी बचाओ गांव बचाओ मुद्दे को लेकर किसान संघर्ष समिति ने घेरा दुधमनियां तहसील मुख्यालय

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। किसान संघर्ष समिति ने आदिवासी बचाओ गांव बचाओ मुद्दे को लेकर 26 अगस्त को सिंगरौली जिले की दुधमनियां तहसील कार्यालय के समक्ष स्थित मंडी प्रांगण में जनसभा कर जनाक्रोश रैली निकालकर सरकार एवं उद्योगपतियों से सीधी लड़ाई लड़ने का ऐलान किया कार्यक्रम का आयोजन एवं अध्यक्षता किसान संघर्ष समिति सिंगरौली जिले के अध्यक्ष एडवोकेट अशोक सिंह पैगाम ने किया मुख्य अतिथि की हैसियत से किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिव सिंह एडवोकेट उपस्थित रहे जनाक्रोश रैली एवं धरना प्रदर्शन का नेतृत्व कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह शंखू प्रदेश प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ एके खान कटनी प्रदेश सचिव संत कुमार पटेल प्रदेश सचिव निसार आलम मऊगंज अध्यक्ष अजय कुमार पटेल ने किया समर्थन में इंडिया गठबंधन एवं जन संगठनों की ओर पूर्व विधायिका सरस्वती सिंह जिला पंचायत सदस्य सोमदेव ब्रह्म लल्लू साहब राजेश प्रताप सिंह लवलेश सिंह सुदामा कुशवाहा मनोज शाह सूर्या द्विवेदी उर्मिला रावत ज्ञानेंद्र द्विवेदी रतीभान प्रसाद संदीप शाह पार्वती पनिका जनपद सदस्य जिला पंचायत सदस्य पप्पू गीता यादव सुनील जायसवाल सुनील देव राजन दल प्रताप सिंह सरपंच दरोगा सिंह बुधराम सिंह राम सिंह मदन सिंह धनराज सिंह जनपद सदस्य जगत सिंह सरपंच सुशीला सिंह अखिलेश पटेल रीवा राजकुमार सिंह उग्रसेन सिंह आदि किसान संघर्ष समिति के नेताओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि चितरंगी वनांचल क्षेत्र को भाजपा सरकार उद्योगपतियों के माध्यम से गरीबों किसानों आदिवासियों के गांव उजाड़ने का काम कर रही है उन्होंने कहा कि मिसिरगवां आयरन ब्लॉक शासन स्तर से मेसर्स रॉक डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड को बिना ग्राम सभा की अनुमति के आवंटित किया गया है उक्त आयरन ब्लॉक से लगे क्षेत्र में इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट की स्थापना तहसील दुधमनियां स्थित ग्राम बडगड बसनिया डाला कपुरदेई सकेती एवं पिपरवान तथा कुसाही आदि 7 गांव की 1282 हेक्टेयर भूमिया आदिवासी बहुलगांवो की बिना अनुमति शासन प्रशासन द्वारा अधिग्रहित की जा रही है किसान संघर्ष समिति ने ऐलान किया है कि आदिवासियों किसानों गरीबों की जमीन बचाने अंतिम दम तक संघर्ष करेंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष अशोक सिंह पैगाम ने कहा कि मांगों का निराकरण शीघ्र नहीं हुआ तो मंत्री राधा सिंह का घर घेरने का काम करेंगे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिव सिंह एडवोकेट ने कहा कि मांगों का निराकरण न होने पर किसान संघर्ष समिति दुधमनियां में पक्का मोर्चा लगाएगी जिसमें संयुक्त किसान मोर्चे के नेता भी शिरकत करेंगे वहीं आदिवासियों को पट्टा दिलाए जाने भूमियों को खसरे में दर्ज कराए जाने आदिवासियों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाए जाने पुलिसिया गुंडागर्दी नशीले पदार्थों की खुले आम बिक्री पर रोक आदिवासी इलाके में शिक्षा का स्तर सुधारे जाने आए दिन हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के सार्थक प्रयास करने पानी खाद सड़क बिजली आवारा पशु आदि आदि तमाम समस्याओं का ज्ञापन हजारों की संख्या में उपस्थित जनसमूह के माध्यम से राष्ट्रपति प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री राज्यपाल कलेक्टर को संबोधित एसडीएम को सौंपा गया ज्ञापन सौंपते हुए सरकार एवं उद्योगपतियों को कड़ी चेतावनी दी गई है दौरान ज्ञापन प्रमुख रूप से इंडिया गठबंधन एवं हजारों की संख्या में जन सैलाब उपस्थित रहा है।

नेशनल लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा के त्वरित निराकरण के लिए प्रीसिटिंग बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्रयाग लाल दिनकर एवं श्री यतीन्द्र कुमार गुरू विशेष न्यायाधीश/प्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत की अध्यक्षता में नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु मंगलवार 26 अगस्त को समस्त मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारीगण एवं बीमा कंपनी के पैनल अधिवक्तागण तथा आवेदक अधिवक्तागण के साथ जिला न्यायालय परिसर स्थित ए.डी.आर. सेंटर भवन में प्रीसिटिंग बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक का उद्देश्य आगामी 13 सितंबर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करना तथा आपसी समन्वय स्थापित करना था। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्रयाग लाल दिनकर ने स्पष्ट किया कि लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य त्वरित न्याय सुनिश्चित करना और पक्षकारों के बीच आपसी समझौते को बढ़ावा देना है।

बैठक के दौरान लंबित मोटर दुर्घटना दावों के शीघ्र निपटारे, बीमा कंपनियों और अधिवक्ताओं के बीच बेहर तालमेल एवं पक्षकारों को समयबद्ध न्याय प्रदान करने हेतु ठोस रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। न्यायालय ने सभी संबंधित पक्षों से अपील की है कि वे लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का आपसी समझौते से निस्तारण कर न्याय व्यवस्था को और प्रभावी बनाने में सहयोग प्रदान करें।

ननिहाल में 9 और 13 वर्षीय बहनें नदी में डूबीं, करीब 2 घंटे बाद मिले शव

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के भमहिया गांव में नदी में नहाते समय डूबने से 9 और 13 साल की बहनों की मौत हो गई। घटना मंगलवार सुबह 11 बजे की है। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल के मुताबिक, राजलाल केवट की बेटियां हर्षिनी (13) और नंदिनी (9) मां के साथ ननिहाल आई हुई थीं। सुबह दोनों बहनें अन्य बच्चियों के साथ गांव की नदी में नहाने गईं। अन्य बच्चियां स्नान के बाद घर लौट आईं, लेकिन हर्षिनी और नंदिनी नहीं लौटीं।

परिजनों ने जब उनकी खोजबीन शुरू की तो ग्रामीणों को नदी में डूबने की आशंका हुई। स्थानीय लोगों ने तलाश अभियान शुरू किया। करीब दो घंटे बाद दोनों बच्चियों के शव नदी में मिल गए। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पंचनामा कार्रवाई के बाद शवों को सीधी मर्चुरी भेजा गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। नंदिनी चौथी में तो हर्षिनी सातवीं में पढ़ती थी।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 114 आवेदकों की समस्याएं, निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नागरिकों के समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इस बार आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 114 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जनसुनवाई के पश्चात समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों को समय-सीमा में संतुष्टि के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में चयनित विषयों से संबंधित शिकायतें प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं।

जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, अपर कलेक्टर बी पी पाण्डेय, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

जमीन पर नहीं आसमान से लड़ी जा रही है अब लड़ाई, भारत की रक्षा प्रणाली में मजबूती का जुड़ा नया अध्याय

संपादकीय

आज के दौर में तकनीकी विकास के साथ युद्ध के तरीके भी बदल गए हैं। अब पारंपरिक युद्ध के बजाय तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है। दुश्मन देश की जमीनी सीमा पार किए बिना ही हवाई हमलों को बखूबी अंजाम दिया जाता है। ड्रोन, स्वायत्त प्रणाली और हाइपरसोनिक हथियारों के उदय ने युद्ध के पारंपरिक सिद्धांतों को बदल दिया है। ऐसे में कोई भी देश तभी अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है, जब उसके पास मजबूत वायु रक्षा प्रणाली हो।

इसी के मद्देनजर भारत ने हाल में एकीकृत हवाई रक्षा हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण कर इस दिशा में एक और सफलता हासिल कर ली है। 'आपरेशन सिंदूर' में पाकिस्तान को शिकस्त देने के करीब तीन माह बाद भारत की रक्षा प्रणाली में मजबूती का यह एक नया अध्याय जुड़ गया है। ड्रोन और मिसाइलों के हमलों को नाकाम करने की अपनी क्षमता को और ज्यादा सुदृढ़ एवं विश्वसनीय बनाने की ओर एक बड़ी और अहम कामयाबी है।

पारंपरिक युद्ध की तुलना में आज के युद्ध में तकनीक का महत्त्व सर्वोपरि- पारंपरिक युद्ध की तुलना में आज के युद्ध में तकनीक का महत्त्व सर्वोपरि है। अब लड़ाई जमीन पर नहीं, बल्कि आसमान से लड़ी जा रही है। आधुनिक हाइपरसोनिक और क्रूज मिसाइलें हजारों किलोमीटर दूर अपने लक्ष्य को भेद सकती हैं। ड्रोन का इस्तेमाल अब रक्षा प्रणालियों और सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा रहा है, जैसा रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य-पूर्व के संघर्षों में देखा गया है। जाहिर है, इस तरह के खतरों से निपटने के लिए भारत की रक्षा तैयारियों को तेज करना आवश्यक है।भारत की नव-विकसित एकीकृत हवाई रक्षा हथियार प्रणाली बहुस्तरीय प्रणालियों का एक ऐसा स्वदेशी तंत्र है, जो दुश्मन के लड़ाकू विमानों, ड्रोन और मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही नष्ट करने में सक्षम है। इसमें हमले का संकेत मिलने पर तुरंत जवाब देने और सतह से हवा में मार करने वाली स्वदेशी मिसाइल प्रणाली तथा उच्च शक्ति वाली लेजर आधारित प्रणाली शामिल है, जो दुश्मन के हौसलों को पस्त कर देगी। दरअसल, इस रक्षा प्रणाली को मिशन 'सुदर्शन चक्र' के तहत विकसित किया गया है, जिसका मकसद वर्ष 2035 तक भारत को एकीकृत वायु रक्षा प्रणाली में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना है।

आम जीवन सरल बनाने में मदद कीजिए

अशोक मधुप

सरकारों का काम आदमी के जीवन को सरल बनाना है।तकनीक के माध्यम से उसे ऐसी सुविधाएं देना है कि वह परेशान न हो, किंतु भारत में हो इसके विपरीत रहा है। उन्हें अलग -अलग काम के लिए थोड़ी- थोड़ी बात के लिए परेशान किया जा रहा है। उनके जीवन को दुरूह किया जा रहा है।

आज सबसे बड़ी परेशानी हैं बैंको में जाकर खाते की केवाईसी कराने की।बैंकों की केवाईसी के नाम पर बैंक खाताधारक को परेशान किया जा रहा है।हालत यह है कि केवाईसी करानी है, इसकी उसे सूचना भी नही मिलती। उसे उसके लिए बैंक की ओर से मैसेज भी नही आता।

मेल आनी चाहिए। किंतु ऐसा हो नही रहा। वैसे प्रत्येक ट्रांजेक्शन के मैसेज आते रहते हैं। केबाईसी कराना है, इसका पता तब चलता है जब खातेधारक के चैक का भुगतान रोक दिया जाता है। वह पेमेंट नही कर पाता ।भुगतान रोकने के कारण चैक जारी करने वाले पर संबधित बैक या सस्थाएं चार सौ से आठ सौ रूपये तक का जुर्माना लगा देती है।मैंने पिछले साल ओरियंटल इंशोरेंस कंपनी को अपनी मेडिक्लेम पोलिसी के लिए चैक दिया। चैक बैंक गया तो भुगतान रूक गया। मैं बैंक गया। बैंक प्रबंधक ने खाता देखकर कहा कि खाता आपका जारी है। चैक का भुगतान कैसे रूका पता नहीं। उनके एक स्टाफ ने देखकर बताया कि खाता बंद किया हुआ है। बैंक प्रबंधक ने कहा कि अब सब कंप्यूटराइज है। हमें पता नही चलता और खुद जाता है। बैंक स्टाफ के पता है या नही । इससे खाताधारक को क्या लेना। मेरे से तो इंशोरेंस कंपनी ने चैक डिस ओनर होने के छह सौ रूपये अतिरिक्त वसूल लिए।मुझे तो फालतू का छह सौ रूपये का दंड़ पड़ गया।

अभी लाकर आपरेट करने बैंक जाना पड़ा तो बैंक स्टाफ ने कहा कि इसकी केवाईसी कराईये। हमने कहा कि अभी खाते की तो कराई है।उनका कहना था कि बैंक लॉकर की भी करानी है। लॉकर बैंक के खाते से जुड़ा है, यह बताने पर भी बैंक कर्मी नही माने।यदि आपके पास चार- पांच बैंक खाते हैं तो प्रत्येक दो साल से केवाईसी कराने जरूर जाना होगा।

अभी तक बैंक खाते चालू रखने के लिए केवाईसी करानी थी।अब बिजली विभाग के मैसेज आ रहे हैं, कि अपने कनेक्शन की ईकेवाईसी कराईए।आज जहां चारों ओर धोखे का जाल फैला है। ठग आपको फंसाने में लगे हैं, ऐसे में किस मैसेज को सही माना जाए, किसे गलत यह कैसे पता चले। अभी परिवहन विभाग का मैसेज आया है कि आधार आथोराइजेशन माध्यम से अपने ड्राइविंग लाइसैंस पर अपना मोबाइल नंबर अपडेट कराइए। समझ नही आ रहा कि क्या- क्या कराएं। हम पर ये सब करना नही आता।इसका मतलब ये की रोज जनसेवा केंद्र पर जाइये। लाइन में लगिए और पैसा भी दीजिए। लगता है कि कहीं ये जनसेवा केंद्र की आय बढ़ाने के लिए तो नही किया जा रहा। अभी पिछले दिनों आदेश आया कि अपना आधार कार्ड प्रत्येक दस साल में अपडेट कराना है।मैं छोटे शहर में रहता हूं। यहां कि आबादी दो लाख के करीब है। पूरे शहर में आधार कार्ड अपडेट कराने का एक ही सैंटर है। मुख्य डाकघर। उसमें आधार कार्ड बनवाने वालों की सवेरे आठ बजे से लाइन लग जाती है।हम 75 साल से ऊपर के पति -पत्नी कैसे उस लाइन में लगें , ये कोई सोचने और बताने वाला नही है। दूसरे केंद्र का दरवाजा खुलने पर इस तरह धक्का-मुक्की होती है कि हम लाइन में लगे तो हाथ - पांव तुड़ाकर जरूर अस्पताल जांएगे। केंद्र सरकार / रिजर्व बैंक को आदेश करना चाहिए कि बैंक अपने यहां अतिरिक्त स्टाफ रखे। उसक कार्य सिर्फ खातेधारकों से समय लेकर उनके खातों की केवाईसे कराना हो।सरकार जिस तरह वोट बनवाती है। वोटर का वेरिफिकेशन कराती है। उसी तह से केवाईसी कराई जाए।इसके बैंक खाता धारकों को सुविधा होगी।केवाईसी कराने के लिए रखे जाने वाले युवाओं को रोजगार मिलेगा।यही काम राज्य की बिजली कंपनी कर सकती हैं। विभागीय मीटर रीडर माह में एक बार रीडिंग लेने उपभोक्ता के घर जाते हैं। वे ही उपभोक्ता से केवाईसी के पेपर लेले।मीटर रीडर को उपभोक्ता जानते हैं उन्हें पेपर देते किसी उपभोक्ता को परेशानी भी नही होगी।मीटर रीडर आफिस आकर इस कार्य में लगे स्टाफ को पेपर देकर केवाईसी कराए।

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध और हिंसा ने सभ्यता की प्रगति को खतरे में डाल दिया है। रूस-यूक्रेन संघर्ष इसके ताजे उदाहरण के रूप में हमारे सामने है। इस युद्ध ने न केवल यूरोप की स्थिरता को हिलाकर रख दिया है, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है। हजारों लोग मारे गए, लाखों लोग शरणार्थी बने और ऊर्जा तथा खाद्यान्न संकट ने विकासशील देशों को प्रभावित किया। ऐसे कठिन समय में भारत ने अपनी पारंपरिक नीति-अहिंसा, निशस्त्रीकरण और अयुद्ध का परिचय कराते हुए यह स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमीर जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण देकर भारत ने संकेत दिया है कि युद्ध विराम एवं शांति समझौता कराने में भारत सक्रिय भूमिका निभा सकता है, निश्चित ही इस कदम का स्वागत होना चाहिए।

भारत चाहता है यह युद्ध का नहीं, शांति का दौर बने

-ललित गर्ग-

रूस एवं यूक्रेन को भारत बातचीत की टेबल पर ले आता है, तो यह पूरी दुनिया के हित में होगा, इससे युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होगा।

भारत द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति को भारत आने का निमंत्रण देना केवल शांति प्रयासों का हिस्सा ही नहीं है, बल्कि यह अमेरिका की चालों को करारा जवाब देने वाला एक कूटनीतिक कदम भी है। हाल के दौर में अमेरिका ने भारत पर ट्रेड टैरिफ लगाकर और विभिन्न आर्थिक दबाव बनाकर उसकी अर्थव्यवस्था को अस्थिर एवं अस्तव्यस्त करने की कोशिश की है। किंतु मोदी सरकार ने अपनी दृढ़ कूटनीति से यह संदेश दिया है कि भारत अब किसी दबाव में आने वाला नहीं है। ज़ेलेन्स्की को आमंत्रित कर भारत ने यह दिखा दिया कि वह रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संवाद रखकर स्वतंत्र नीति अपनाने में सक्षम है और अमेरिका की अपेक्षाओं के आगे झुकने के बजाय अपनी शांति और संतुलन की राह पर आगे बढ़ रहा है। यह कदम भारत की आत्मनिर्भर, साहसी और वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार कहा है-'यह युद्ध का दौर नहीं है।' यह वाक्य केवल एक कूटनीतिक कथन नहीं, बल्कि भारत की शाश्वत नीति और सांस्कृतिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने केवल शब्दों तक ही सीमित भूमिका नहीं निभाई, बल्कि ठोस मानवीय प्रयास भी किए। 'ऑपरेशन गंगा' के अंतर्गत हजारों भारतीय छात्रों और नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। भारत ने यूक्रेन को दवाइयां, मानवीय सहायता और राहत सामग्री भेजी। भारत ने रूस और यूक्रेन, दोनों से संवाद बनाए रखा। पिछले साल अगस्त में नरेन्द्र मोदी यूक्रेन जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। इससे पहले उन्होंने रूस की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेन्स्की से निरन्तर बातचीत में भी भारत का रूख स्पष्ट किया कि शांति बहाल होनी चाहिए, यह युद्ध का दौर नहीं, बल्कि शांति एवं विकास का दौर है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप एवं रूसी राष्ट्रपति पूतिन के बीच अलास्का में हुई शिखर वार्ता का भी भारत ने स्वागत किया और कहा था कि बातचीत एवं कूटनीति ही आगे बढ़ने एवं युद्ध विराम का रास्ता है।

रूस और यूक्रेन के बीच यदि कभी बातचीत की प्रक्रिया शुरू होती है, तो उसमें भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है। आज भारत की छवि एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में उभरी है। भारत न केवल जनसंख्या और अर्थव्यवस्था के लिहाज से बड़ा देश है, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि से भी विश्व में एक अलग पहचान रखता है। गांधी की भूमि, बुद्ध की करुणा और महावीर की अहिंसा से प्रेरित यह राष्ट्र यदि शांति का झंडा उठाता है, तो उसकी आवाज को अनसुना नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि पूरी दुनिया आज भारत से अपेक्षा कर रही है कि वह शांति का नेतृत्व करे। भारत की यह भूमिका उसे केवल एक उभरती महाशक्ति ही नहीं बनाती, बल्कि 'विश्वगुरु' के रूप में स्थापित करती है। क्योंकि भारत जानता है-'शांति ही मानवता का वास्तविक मार्ग है, और अहिंसा ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति।'

भारत की शांति नीति केवल रूस-यूक्रेन युद्ध तक सीमित नहीं रही है। चाहे ईरान-इजरायल, इजरायल-हमास युद्ध हो, अफगानिस्तान का संकट हो या मध्य पूर्व की उथल-पुथल-भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं से कहा कि मानवता के सामने जो चुनौतियां हैं, उनका समाधान युद्ध से नहीं, बल्कि सहयोग-शांति-सौहार्द से मिलेगा। उन्होंने विकासशील देशों की पीड़ा और युद्ध से उत्पन्न आर्थिक संकट को सामने रखकर यह स्पष्ट किया कि युद्ध का खामियाजा गरीब और छोटे देशों को सबसे ज्यादा भुगतना पड़ता है। आज की दुनिया में हथियारों की होड़ और सामरिक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। युद्ध केवल मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि तकनीकी, साइबर और आर्थिक क्षेत्रों में भी लड़े जा रहे हैं। ऐसे समय में भारत की अहिंसा और अयुद्ध की नीति मानवता के लिए प्रकाशस्तंभ का काम कर रही है।भारत का इतिहास शांति और अहिंसा का इतिहास है। भगवान महावीर ने अहिंसा को सर्वोच्च धर्म बताया। उन्होंने कहा-अहिंसा परमो धर्मः। गौतम बुद्ध ने करुणा और मैत्री का संदेश दिया और पूरी एशिया भूमि को 'शांति क्षेत्र' बनाने की दृष्टि दी। महात्मा गांधी ने इसी परंपरा को आधुनिक राजनीति में रूपांतरित किया। उन्होंने दिखाया कि सत्य और अहिंसा के आधार पर साम्राज्यवाद जैसी शक्तिशाली सत्ता को भी परास्त किया जा सकता है। भारत की आत्मा में यह विश्वास गहराई से निहित है कि हिंसा केवल विनाश लाती है और शांति ही स्थायी समाधान है। इसी विरासत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पुनर्जीवित किया है। 2022 में जब रूस-यूक्रेन युद्ध तेज हुआ, तब संयुक्त राष्ट्र, जी-20 और ब्रिक्स जैसे मंचों पर मोदी ने दृढ़ता से कहा-'आज का समय युद्ध का नहीं, बल्कि शांति, स्थिरता और सहयोग का है।' भारत ने इस सत्य को समय रहते समझा और दुनिया को यह संदेश दिया कि 'शांति ही भविष्य है, युद्ध नहीं।' इसे आधुनिक कूटनीति में उतारकर यह साबित किया है कि भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए सोचता है।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई। शीत युद्ध के समय जब दुनिया अमेरिका और सोवियत संघ के दो खेमों में बंटी हुई थी, तब भारत ने यह साहस दिखाया कि वह किसी एक महाशक्ति का पिछलग्गू नहीं बनेगा। पंडित जवाहरलाल नेहरू, युगोस्लाविया के राष्ट्रपति टिटो और मिस्र के राष्ट्रपति नासिर ने मिलकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी। इसका उद्देश्य था-दुनिया के देशों को युद्ध की राजनीति से दूर रखना और शांति व सहयोग की नई राह खोलना। भारत की अहिंसा की नीति कहती है कि स्थायी समाधान केवल शांति और संवाद में है। अयुद्ध की नीति कहती है कि किसी भी गुट का पिछलग्गू बने बिना स्वतंत्र दृष्टिकोण अपनाना ही असली ताकत है। भारत ने दिखाया है कि यह नीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि व्यावहारिक कूटनीति भी है। जब पूरी दुनिया किसी एक पक्ष में बंट रही हो, तब भारत जैसे देश का संतुलित रुख ही शांति की संभावना को जीवित रख सकता है।

आज, जब रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी देश और रूस आमने-सामने खड़े हैं, भारत ने उसी गुटनिरपेक्ष दृष्टिकोण को अपनाया है। भारत न तो रूस के पक्ष में खड़ा हुआ है और न ही अंधाधुंध रूप से पश्चिम का समर्थन कर रहा है। उसने संवाद और कूटनीति को ही एकमात्र रास्ता बताया है। यही भारत की 'अयुद्ध नीति' है-जहां किसी से शत्रुता नहीं, बल्कि सबके साथ संतुलित संबंध रखकर शांति के लिए काम करना है। भारत ने अमेरिकी और यूरोपीय दबाव के बावजूद कभी भी केवल एक पक्ष का समर्थन नहीं किया। यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। अमेरिका और पश्चिमी देश चाहते थे कि भारत खुले रूप से रूस की निंदा करे और उस पर प्रतिबंध लगाए। किंतु भारत ने साफ कहा कि उसका दृष्टिकोण 'तटस्थ' ही नहीं, बल्कि 'शांति-उन्मुख' है। भारत का लक्ष्य किसी के खिलाफ खड़ा होना नहीं, बल्कि सबको शांति की राह पर लाना है। यही कारण है कि रूस और यूक्रेन, दोनों भारत पर भरोसा करते हैं। दोनों मानते हैं कि भारत बिना पूर्वाग्रह के समाधान का मार्ग खोज सकता है।

प्राकृतिक आपदा में अर्द्ध सैनिक बल

गृह मंत्री ने घोषणा की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत मार्च 2026 तक नक्सलवाद का समूल नाश कर दिया जाएगा। 2019 से 2025 तक के बीच 1025 नक्सली मारे गए हैं और 6983 गिरफ्तार हो चुके हैं। यह संख्या बताती है कि नक्सलवाद अब अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। गृह मंत्री के दृढ़ संकल्प से यह संभव हो रहा है और सरकार इसके लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी से लेकर आर्थिक संसाधन में कोई कमी नहीं होने दे रही है। इसके साथ-साथ आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए भी कई कड़े कदम उठाए जा रहे हैं जो देखने में आ रहे हैं। इसके लिए एनआईए का दायरा बढ़ाया गया है और कानून भी सख्त किए गए हैं। पीएफआई, हुर्रियत जैसे संगठनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए गए हैं जिससे आतंक के मामलों में कमी आई है। लेकिन सिर्फ सख्ती या सुरक्षा बलों की ताकत से कई बार समस्याएं नहीं सुलझती हैं और इसलिए शाह ने गृह मंत्रालय को राज्यों के साथ मिलकर विकास तथा पुनर्वास की कई योजनाओं पर काम करने की व्यवस्था की जिसका बढ़िया परिणाम दिख रहा है

मधुरेंद्र सिन्हा

इस समय देश के हिमालयी क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदा आई हुई है। पहाड़ों में कहीं भूस्खलन तो कहीं बादल फटना। दर्जनों लोग काल कलवित हो गए हैं और हजारों मकान तथा दर्जनों बस्तियां दब गई हैं। हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड में प्रकृति का प्रकोप कुछ ज्यादा ही है। इन राज्यों में तुरंत राहत की व्यवस्था करना बेहद कठिन है, क्योंकि आपदा प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचना ही बेहद कठिन होता है। रास्ते कट जाते हैं, पहाड़ी नदियां उफन जाती हैं और आसपास से कोई मदद नहीं मिल पाती है। लेकिन अब जिस तरह से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल यानी एनडीआरएफ समर्पित भाव से उन इलाकों में राहत कार्य करने में जुटा हुआ है, उसे देखकर आशा की किरण जाग उठी है। इस बल का गठन ही प्राकृतिक आपदाओं और खतरनाक परिस्थितियों से निबटने के लिए किया गया था। पिछले पांच-छह वर्षों में इसने जबरदस्त तरीके से काम किया और लोगों में इतना विश्वास पैदा कर दिया कि अब विपदा आते ही इसे बुलाया जाता है और इसके जवान तुरंत आकर राहत कार्यों में लग जाते हैं। इनकी ट्रेनिंग ही ऐसी है कि ये कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी काम करते हैं। लेकिन उससे भी बड़ी बात है इनका समर्पण भाव। इस समय इनकी टुकडियां न केवल हिमाचल, उत्तराखंड में राहत कार्य में दिन-रात जुटी हुई हैं बल्कि बिहार की बाढ़ में भी बड़ी भूमिका निभा रही हैं। इसने अब तक डेढ़ लाख लोगों की जान बचाई है और लाखों फंसे लोगों को निकाला है। गृह मंत्रालय ने इसे पूरी तरह से साजो-सामान से लैस कर दिया है जिससे राहत कार्यों में तेजी आ सके। मंत्रालय ने 2024-25 में एसडीआरएफ के लिए

20264 करोड़ रुपए आवंटित किए और एनडीआरएफ के लिए 5160 करोड़ रुपए आवंटित किए जो एक कीर्तिमान है और जिसके परिणाम देखने में आ रहे हैं।

मार्च 2021 में एक नया अलर्ट सिस्टम जारी किया गया जिससे अब संगठन पहले ही खतरे की संभावना बता देता है जिससे लोग सावधान हो जाएं। इसका उदाहरण है कि इसने अब तक 631.1 करोड़ अलर्ट मैसेज भेजे हैं और बेशकीमती जिंदगियां बचाई हैं। इसका कार्य सिर्फ भारत ही नहीं था, बल्कि विदेशों में भी रहा। हमने देखा कि कैसे तुर्की में इसने समर्पित भाव से इनसानियत की रक्षा की। गृह मंत्रालय ने गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में न केवल एनडीआरएफ बल्कि सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, कोस्ट गार्ड को पूरी शक्तियां दीं, बल्कि संसाधन तथा पूरे कानूनी अधिकार भी दिए। इसके ठोस परिणाम साफ दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल के छह साल पूरे कर लिए हैं और इस दौरान देश में अर्ध सैनिक बलों को बढ़ावा देकर कश्मीर में धारा 370 हटाने से लेकर नक्सलवाद के लगभग खात्मे तक का काम कर दिखाया। उनकी सफलता पर प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें बधाइयां भी दीं। कश्मीर में सुरक्षा बलों की त्वरित और दीर्घकालीन कार्रवाई से 2019 से 2025 तक के बीच हिंसक घटनाओं में 2004-09 के बीच 86 फीसदी की कमी आई है। कश्मीर के अलावा मध्य तथा पूर्व भारत में नक्सली हिंसा पर लगाम तो लगी ही है, उनके बड़े लीडर या तो मारे गए हैं या समर्पण कर चुके हैं। गृह मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि 2009 से 2024 के बीच नक्सली हिंसा की वजह से होने वाली मौतों में उल्लेखनीय कमी आई है। पिछले छह सालों में यह गिरकर 600 तक आ गई है, जबकि 2009 से 2014 तक 5225 थी। नक्सलियों के खिलाफ अर्ध सैनिक बलों का अभियान इस समय इतना जबरदस्त है कि देश के छह जिले ही अब नक्सल हिंसा से प्रभावित रह गए हैं। इसलिए ही गृह मंत्री ने घोषणा की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत मार्च 2026 तक नक्सलवाद का समूल नाश कर दिया जाएगा। 2019 से 2025 तक के बीच 1025 नक्सली मारे गए हैं और 6983 गिरफ्तार हो चुके हैं। यह संख्या बताती है कि नक्सलवाद अब अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। गृह मंत्री के दृढ़ संकल्प से यह संभव हो रहा है और सरकार इसके लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी से लेकर आर्थिक संसाधन में कोई कमी नहीं होने दे रही है। इसके साथ-साथ आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए भी कई कड़े कदम उठाए जा रहे हैं जो देखने में आ रहे हैं। इसके लिए एनआईए का दायरा बढ़ाया गया है और कानून भी सख्त किए गए हैं। पीएफआई, हुर्रियत जैसे संगठनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए गए हैं जिससे आतंक के मामलों में कमी आई है। लेकिन सिर्फ सख्ती या सुरक्षा बलों की ताकत से कई बार समस्याएं नहीं सुलझती हैं और इसलिए शाह ने गृह मंत्रालय को राज्यों के साथ मिलकर विकास तथा पुनर्वास की कई योजनाओं पर काम करने की व्यवस्था की जिसका बढ़िया परिणाम दिख रहा है। विकास एक ऐसा माध्यम है जिससे हिंसा तथा अराजकता पर अंकुश लगाया जा सकता है। इसे ही ध्यान में रखकर पूर्वोत्तर के राज्यों में कई योजनाएं बनाई गई हैं।वहां शांति प्रक्रिया के तहत छह वर्षों में 12 शांति समझौते हुए, जिसके कारण से स्थिति में अभूतपूर्व सुधार आया। वहां अफस्पा को तेजी से हटाया जा रहा है और दो राज्यों त्रिपुरा तथा मेघालय में यह पूरी तरह से हटा दिया गया है तथा अन्य राज्यों के थोड़े से हिस्से में ही यह लागू है। साइबर क्राइम देश के सामने एक चुनौती की तरह है और इसका मुकाबला आसान नहीं था, लेकिन गृह मंत्रालय को नोडल एजेंसी बनाकर इस दिशा में सख्त कार्रवाई हो रही है। इसके लिए इंडियन साइबर क्राइम कोऑरडिनेशन सेंटर (14 सी) बनाया गया है। यह साइबर क्राइम से निबटने के लिए आधुनिकतम टेक्नोलॉजी से लैस है और इसने इन अपराधों पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया है और अभी भी कर रहा है। साइबर क्राइम के अलावा देश में ड्रग के खतरों के खिलाफ कई कदम उठाए गए हैं जिनमें काफी सफलता मिली है। पड़ोसी देश पाकिस्तान से ड्रग की खेप न केवल पकड़ी जा रही है, बल्कि कुछ अन्य देशों की सीमाओं पर भी सख्ती की जा रही है। गृह मंत्रालय, रसायन मंत्रालय, औषधि मंत्रालय के साथ मिलकर इस दिशा में काम कर रहा है। इनमें सफलता भी मिल रही है। इस तरह अर्द्ध सैनिक बलों की भूमिका सराहनीय है।

एक पेड़ मां के नाम के तहत सांसद महेश कश्यप एवं विधायक किरण देव ने किया पौधरोपण

जगदलपुर, एजेंसी। एक पेड़ मां के नाम के तहत आज शहर के पंडित सुंदरलाल शर्मा वार्ड तथा करकापाल मार्ग में सांसद महेश कश्यप एवं विधायक किरण देव के द्वारा पौधारोपण किया गया। एक पेड़ मां के नाम के तहत करकापाल सड़क के दोनों तरफ 800 पौधे व पंडित सुंदरलाल शर्मा वार्ड में 50 पौधे का रोपण किया जा रहा है।

पौधारोपण कर सांसद महेश कश्यप ने कहा पौधरोपण करने के साथ उसका संर्वधन व संरक्षण करना हमारा दायित्व है। पौधरोपण करने के साथ ही उस पौधे का रक्षा करना है। आज विश्व ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रहा है उसे बचाने में वृक्ष का होना आवश्यक है। पर्यावरण का संरक्षण एवं संवर्धन करना हमारा कर्तव्य है। वहीं विधायक किरण देव ने कहा वर्तमान में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन करने का समय है। हम सभी को मिलकर प्रकृति को बचाने में पहल करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधे लगाये जा रहे हैं। जिसके फलस्वरूप हमारे छत्तीसगढ़ में वृहद रूप से पौधरोपण किया जा रहा है। पौधरोपण के साथ उस पौधे का देखभाल करने की हमारी जिम्मेदारी है। पर्यावरण को संतुलित करने में वृक्ष का होना आवश्यक है। महापौर संजय पांडे ने भी पौधरोपण पर अपनी बात रखी। इस दौरान नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांगन, वार्ड पार्षद योगेन्द्र पांडे, निर्मल पानीग्राही, सुरेश गुप्ता, संग्राम सिंह, लक्ष्मण झा, नरसिंह राव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, डीएफओ उत्तम गुप्ता, आयुक्त प्रवीण कुमार वर्मा एवं वार्डवासी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सवः एकलव्य स्कूल सुकमा में सांस्कृतिक एवं साहित्यिक उत्सव का भव्य आयोजन

सुकमा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) सुकमा में जिला स्तरीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक उत्सव तथा कला उत्सव 2025 का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन से की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीईओ जिला पंचायत मुकुन्द ठाकुर का स्वागत विद्यालय के प्राचार्य राजीव कुमार ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। जनजातीय लोकनृत्य, वोकल म्यूजिक, वाद्य संगीत, नाटक, चित्रकला, क्विज, स्पेल बी और रचनात्मक लेखन प्रतियोगिताएँ विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। इसके साथ ही विजुअल आर्ट्स की प्रस्तुतियों ने भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। मुख्य अतिथि जिला सीईओ ठाकुर ने विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य निर्धारित करने, कला एवं संस्कृति को महत्व देने, बड़े सपने देखने और निरंतर प्रयासरत रहने की सीख दी। इस भव्य उत्सव में सुकमा, छिंदगढ एवं कोंटा के तीन ईएमआरएस विद्यालयों से कुल 202 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। यह आयोजन विद्यार्थियों की सृजनात्मकता और सांस्कृतिक विविधता को मंच प्रदान करने वाला एक यादगार अवसर साबित हुआ।

दोरनापाल तहसील कार्यालय में आधार सेवा केंद्र की शुरुआत

सुकमा, एजेंसी। नागरिक सुविधाओं को सुलभ बनाने के लिए दोरनापाल तहसील कार्यालय में आधार सेवा केंद्र प्रारम्भ किया गया है। यहाँ नए आधार पंजीयन के साथ ही आधार अपडेट, मोबाइल नंबर अपडेट तथा बायोमेट्रिक अपडेट जैसी सभी सेवाएँ उपलब्ध होंगी। जिला कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब क्षेत्र के नागरिकों को आधार संबंधी कार्यों के लिए अन्यत्र भटकने की आवश्यकता नहीं होगी। सभी इच्छुक व्यक्ति सीधे तहसील कार्यालय, दोरनापाल स्थित आधार सेवा केंद्र से संपर्क कर आधार सेवा केंद्र का लाभ उठा सकते हैं।

आईआईटी जम्मू-कश्मीर में कार्यशाला हेतु सुकमा के पाँच शिक्षक चयनित

सुकमा, एजेंसी। गणित, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में क्षमता विकास के लिए आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सुकमा ज़िले के पाँच शिक्षकों का चयन हुआ है। यह पाँच दिवसीय कार्यशाला आईआईटी जम्मू-कश्मीर में 2 सितंबर से आयोजित की जा रही है, जिसमें छत्तीसगढ़ के पीएमश्री विद्यालयों से शिक्षक एवं व्याख्याता शामिल होंगे। राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा रायपुर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रतिभागी शिक्षक विशेषज्ञ वैज्ञानिकों से प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी देंगे। सुकमा जिले से चयनित शिक्षक हैं श्रीमती मीना साहू (कोंटा), श्रीमती रजेमन कुजूर (छिंदगढ़), श्रीमती गीता सोड़ी (मुरतोंडा), लोकनाथ साहू (सुकमा) और उमेंद कुमार आदिले (एराबोर)। जिला शिक्षा अधिकारी जी.आर. मंडावी ने बताया कि कार्यशाला से शिक्षकों के तकनीकी कौशल में वृद्धि होगी, जिसका सीधा लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा।

निक्षय मित्रों के सहयोग से क्षय मरीजों को वितरित किया गया पौष्टिक आहार

जगदलपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू की गई निक्षय मित्र के तहत सोमवार को जगदलपुर स्थित महारानी अस्पताल में टीबी (तपेदिक) के नगर निगम क्षेत्र के 140 मरीजों को पौष्टिक आहार किट का वितरण सांसद बस्तर संसदीय क्षेत्र श्री महेश कश्यप, विधायक जगदलपुर श्री किरण देव, महापौर श्री संजय पाण्डे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य टीबी के मरीजों को दवा के साथ-साथ पोषण प्रदान कर इस बीमारी से लड़ने में मदद करना है। पूरे जिले में कुल 670 टीबी मरीजों को चिन्हित किया गया है।

सांसद श्री महेश कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल पर क्षय रोग उन्मूलन के लिए निक्षय मित्रों का सहयोग लिया जा रहा है। इसमें रेडक्रॉस सोसायटी की बहुत बड़ी भूमिका है। भारत की संस्कृति में सभी के निरोग और सुख की कामना समाहित है और पूरे विश्व को बंधुत्व की दृष्टि से देखता है। पूरे विश्व को निरोग रखने की भावना भारत में है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत की इस मूल भावना को चरितार्थ करने का कार्य किया। आज आयुष्मान योजना के तहत कई प्रकार के रोगों का निःशुल्क उपचार मिलता है। निक्षय मित्र ऐसी सकारात्मक पहल है, जिसमें जनभागीदारी के माध्यम से टीबी के समूल उन्मूलन की भावना निहित है। कोरोना के समय भारत के नेतृत्व के कारण ही आबादी की तुलना में बहुत कम जनहानि हुई। इसके साथ ही पूरे विश्व को सहायता भी पहुंचाई गई। इस दौरान विधायक श्री किरण देव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा टीबी मरीजों की चिंता करते हुए इस कार्यक्रम को प्रारम्भ किया, ताकि टीबी मरीजों को टीबी से लड़ने की अतिरिक्त शक्ति मिल सके। यह बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। टीबी रोग से लड़ने में पौष्टिक आहार की बहुत अधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। यह कार्यक्रम टीबी के समूल उन्मूलन तक चलना चाहिए। इस मौके पर महापौर संजय पांडे ने कहा कि क्षय रोग से लड़ने का निर्णय प्रधानमंत्री ने लिया। यह बीमारी कहीं न कहीं अस्वच्छता से जुड़ी है। इस बीमारी से लड़ने के लिए शासन जहां दवाइयां उपलब्ध करा रही है, वहीं प्रधानमंत्री की पहल पर पौष्टिक आहार उपलब्ध करवा रहे हैं। हम सभी के संकल्प से टीबी मुक्त नगर होगा।

कार्यक्रम में रेडक्रॉस के वरिष्ठ पदाधिकारी श्री मनीष गुप्ता ने कहा कि दाल, तेल, मिलेटस दूध पाउडर सहित पोषक आहार निक्षय मित्रों के माध्यम से दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीबी पर रोकथाम के लिए समय समय पर अभियान चलाए गए, किंतु यह पहला अभियान, जो जनभागीदारी से चल रहा है। टीबी से लड़ने के लिए पौष्टिक आहार बहुत आवश्यक है। यह टीबी के रोकथाम में मदद करेगा। इस अवसर पर नगर निगम के सभापति खेमसिंह देवांगन, महापौर परिषद के सदस्य, पार्षदगण सहित जनप्रतिनिधिगण, नगर निगम के आयुक्त प्रवीण वर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय बसाक, महारानी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ संजय प्रसाद, रेडक्रॉस के प्रभारी अलेक्जेंडर चेरियन सहित बड़ी संख्या में रेडक्रॉस के सदस्य, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं निक्षय मित्रों के सहयोग से लाभान्वित मरीज उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन एवं विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

गांवों में जल समितियों का होगा गठन

सुकमा, एजेंसी। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने जिला कार्यालय सुकमा के सभाकक्ष में सोमवार को नियद नेल्ला नार क्षेत्रों में शासन की योजनाओं के बेहतर कियान्वयन और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार करने के लिए जल जीवन मिशन एवं विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में जल जीवन मिशन की प्रगति, पंचायतवार कार्यों की स्थिति और विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई।

कलेक्टर ध्रुव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल जीवन मिशन के निर्धारित लक्ष्यों को प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण किया जाए। उन्होंने बड़ेसेट्टी ग्राम में चल रहे कार्य को आगामी दो सप्ताह में पूरा करने पर जोर दिया। कलेक्टर ध्रुव ने निर्देश दिए कि यदि किसी ठेकेदार द्वारा कार्य में लापरवाही की जाती है या समय पर कार्य पूर्ण नहीं किया जाता, तो उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो कार्य पूर्ण हो चुके हैं, उनकी वर्तमान स्थिति का अद्यतन विवरण पंचायतवार प्रस्तुत किया जाए। साथ ही योजनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि ग्राम पंचायतों में जल प्रमाणन सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है। जल जीवन मिशन को बेहतर संचालन एवं रख-रखाव हेतु उन्होंने निर्देश दिया कि इन गांवों में जल समितियों का गठन कर उन्हें सक्रिय किया जाए, ताकि ग्रामीण स्वयं योजनाओं के संचालन में जिम्मेदारी निभा सकें। कलेक्टर श्री ध्रुव ने यह भी निर्देश दिए कि लाइवलीहुड कॉलेज के माध्यम से स्व-सहायता समूहों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। इन समूहों को जल जीवन मिशन से जोड़े जाने से योजनाओं का दीर्घकालिक और स्थायी संचालन संभव होगा।

बैठक में ईई पीएचईश्री विनोद कुमार राम, सहायक संचालक जिला उद्योग एवं व्यापार विभाग सुकमा श्री कैलाश कश्यप, सब इंजीनियर पीएचई एवं विद्युत विभाग सुकमा के अधिकारी उपस्थित थे।

विधायक और कलेक्टर ने कन्या महाविद्यालय का किया निरीक्षण

कोंडागांव, एजेंसी। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी की अध्यक्षता में आज शासकीय कन्या आदर्श आवासीय महाविद्यालय में जनभागीदारी समिति के गठन के संबंध में बैठक संपन्न हुई। विधायक लता उसेंडी और कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने जनभागीदारी समिति की बैठक में शैक्षणिक गतिविधियों, स्टाफ की उपलब्धता और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की एवं कमियों की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विधायक और कलेक्टर ने महाविद्यालय की अव्यवस्था पर नाराज़गी जताते हुए व्यवस्था दुरुस्त करने हेतु प्राचार्य को निर्देशित किया। विधायक उसेंडी ने प्राचार्य को बेहतर ढंग से महाविद्यालय के संचालन के निर्देश दिए। साथ ही परिसर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने के निर्देश देते हुए वृक्षारोपण के भी निर्देश दिए। बैठक में महाविद्यालय और छात्रावास की व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए प्राचार्य को छात्रावास में साफ सफाई हेतु सफाई कर्मी की व्यवस्था करने, पानी सप्लाई की समस्या दूर करने के निर्देश दिए। साथ ही छात्रावास में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए टीम भेजने और एनीमिया जांच के निर्देश दिए। बैठक में छात्राओं के लिए पढ़ाई पूर्ण होने के बाद रोज़गार उपलब्ध कराने हेतु प्लेसमेंट कैंप आयोजित करने हेतु भी निर्देशित किया। कंप्यूटर लैब का निरीक्षण कर छात्राओं के कंप्यूटर ज्ञान का परीक्षण किया। इस दौरान कंप्यूटर शिक्षक को निर्देशित किया कि छात्राओं को अच्छे ढंग से कम्प्यूटर सिखाएं। निरीक्षण के दौरान 06 कंप्यूटर खराब पाए गए, जिसका शीघ्र मरम्मत कराने हेतु प्राचार्य को निर्देशित किया। इसके पश्चात ग्रन्थालय का भी निरीक्षण किया गया।

प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवारों को 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

जगदलपुर, एजेंसी। कलेक्टर श्री हरिस एस. द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत् प्राकृतिक आपदा पीड़ित तीन परिवारों को 12 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। जिसके तहत् तहसील दरभा ग्राम चितापुर निवासी सुकमती की सांप काटने से पति श्री रामू को, तहसील दरभा ग्राम कोलेंग निवासी दशरू नागेश की मृत्यु सांप काटने से पत्नी श्रीमती हिरियो नागेश को तथा तहसील दरभा ग्राम तोयनार निवासी बुधराम मड़कामी की मृत्यु पानी में डूबने से पत्नि श्रीमती मासे मड़कामी प्रत्येक को चार-चार लाख रूपए की सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। उक्त स्वीकृत सहायता राशि संबंधित हितग्राहियों के बैंक खाते में सीधे अंतरित किए जाने के निर्देश संबंधित तहसीलदारों को दिए गए हैं।

माकड़ी में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित हुई विधायक लता उसेण्डी

मशाल रैली निकाली गई, विभिन्न प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

कोण्डागांव, एजेंसी। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव पूरे हर्षोल्लास के साथ आज माकड़ी के मंडी प्रांगण में मनाया गया। इस महोत्सव में सर्वप्रथम मशाल जलाकर भारत माता की जय जयकार करते हुए रैली निकाली गई। कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक लता उसेण्डी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं। विधायक उसेण्डी ने प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों के कलाकृतियों को देखा और उनकी सराहना की। इस अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता डांस प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को एवं विजेता को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जनपद माक़ड़ी की अध्यक्ष जुगबती पोयम, माकड़ी सरपंच रुक्मणी पोयाम, श्री दीपेश अरोरा, आकाश मेहता, श्री संजू ग्वाल सहित सभी जनपद व जिला सदस्य, सरपंच, और अधिकारी कर्मचारी, समूह की महिलाएं एवं स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

रजत महोत्सव वर्ष 2025 अंतर्गत मर्दापाल में आयोजित हुआ महतारी मेगा हेल्थ कैम्प

कोण्डागांव, एजेंसी। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव वर्ष 2025 के अंतर्गत 15 अगस्त से 29 अगस्त तक जिले में चल रहे अभियान कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मर्दापाल में महतारी मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। यह आयोजन जिला कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार एवं कार्यक्रम अधिकारी श्री अवनी कुमार बिसवाल के मार्गदर्शन में किया गया।

कैम्प में महतारी वंदन योजना की हितग्राहियों एवं किशोरी बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही एच.बी. टेस्ट, रक्तदान कार्यक्रम एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रदान की गईं।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना मर्दापाल से बबीता एवं श्रीमती मनीषा, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मर्दापाल के अधिकारी-कर्मचारी, मिशन शक्ति से श्री उमेश कुमार मरापी एवं माधुरी उसेण्डी, मिशन वात्सल्य से श्री हेमन्त भीम, ग्रामीणजन, हितग्राही एवं बड़ी संख्या में किशोरी बालिकाएं उपस्थित रहीं।

पेयजल संकट से मिली राहत, महापौर पहुंचे मौके पर, प्रयास से वार्डवासियों ने ली चैन की सांस

जगदलपुर, एजेंसी। सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड के गुरुद्वारा के सामने वाली गली में लंबे समय से पेयजल समस्या बनी हुई थी। नलों में पानी नहीं आना और पुरानी पाइपलाइन से गंदा पानी बहना वार्डवासियों की दिनचर्या को संकटमय बनाए हुए था। स्थानीय लोग कई दिनों से अपनी समस्या लेकर आवाज़ उठा रहे थे, लेकिन समाधान नहीं हो पा रहा था।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए महापौर संजय पांडे ने संज्ञान लिया और शनिवार को स्वयं मौके का निरीक्षण किया। उनके साथ एमआईसी सदस्य लक्ष्मण झा, सुरेश गुप्ता, वार्ड पार्षद श्वेता बघेल, कार्यकर्ता दिलीप सुंदरानी तथा नगर निगम का अमला भी मौजूद रहा।

महापौर संजय पाण्डे ने वार्डवासियों से बातचीत की तो लोगों ने साफ शब्दों में कहा कि हम महीनों से शुद्ध पानी के लिए परेशान हैं, यदि निगम गंभीरता से कदम उठाए तो यह समस्या दूर हो सकती है। जनता की व्यथा सुनकर महापौर ने तत्काल निगम अधिकारी संजीव कर्ण को बुलाया और पाइपलाइन बदलने का निर्देश दिया। उनके सामने ही पुरानी जर्जर पाइपलाइन को हटाकर नई पाइपलाइन डलवाने का कार्य शुरू किया गया। पानी में फोर्स न होने के कारण लोग नाली के भीतर बिछे पाइप लाइन से पानी भर रहे थे। उस कनेक्शन को हटाकर तत्काल नया कनेक्शन लगाया गया और लोगों को राहत दिलवाई।

राहत और विश्वास का माहौल: महापौर के इस कदम से लोगों में राहत की सांस ली। पानी की समस्या से लंबे समय से जूझ रहे नागरिकों को भरोसा जगा कि अब उन्हें शुद्ध पेयजल मिल सकेगा। वार्डवासियों ने महापौर संजय पांडे के इस प्रयास के लिए आभार जताते हुए कहा कि जब नेतृत्व संवेदनशील हो और जनता की तकलीफ को अपनी जिम्मेदारी समझे, तभी ऐसे त्वरित समाधान संभव हैं। जो लोग लंबे समय से नल बिल नहीं पटा रहे हैं महापौर ने उनसे आग्रह किया कि वे नल बिल नियत तिथि में पटाए। नगर निगम का दायित्व केवल सड़कों और नालियों तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन की मूलभूत आवश्यकताओ पानी, बिजली और सफाई की जिम्मेदारी भी है। सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड का पेयजल संकट इस बात का प्रमाण है कि समय रहते यदि प्रशासन और जनप्रतिनिधि सजग हों तो बड़ी समस्याओं को मौके पर ही सुलझाया जा सकता है। महापौर संजय पांडे का यह कदम न केवल वार्डवासियों को राहत देता है बल्कि प्रशासनिक सक्रियता का उदाहरण भी प्रस्तुत करता है।नागरिकों को उम्मीद है कि निगम इस समस्या के स्थायी समाधान पर ध्यान देगा ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने।

पत्नी को गर्म चाकू से 50 से ज्यादा बार दागा:खरगोन में पीड़िता बोली- पति ने पेट पर लात मारी और हाथ-पैर बांधे दिए

खरगोन, एजेंसी। खरगोन में नवविवाहिता का आरोप है कि पति ने पेट पर लात मारी और हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद गर्म चाकू से उसे 50 से ज्यादा जगह दागा। पति उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करता है। पीड़िता का भाई उसके ससुराल पहुंचा और उसे ले आया।

मामला अवरकच्छ का है। 23 साल की खुशबू की शादी 6 महीने पहले दिलीप पिपलिया से हुई थी। खुशबू का कहना है कि पति उसे पसंद नहीं करता है। पुलिस के अनुसार, रविवार रात को पीड़िता से मारपीट हुई है। सोमवार को उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पीड़िता के पूरे शरीर में दागने के निशान हैं। खरगोन एसपी धर्मराज मीणा ने बताया- खुशबू के बयान के आधार पर धर्मेंद्र पिपलिया के खिलाफ प्रताड़ना का केस दर्ज किया गया है। घटनास्थल बड़वानी जिले के अंजड़ का है इसलिए स्थानीय पुलिस को मामला भेजा जा रहा है। पति शराब पीकर आया और किचन में ले गया पीड़िता

खुशबू ने बताया, 2 फरवरी 2025 को बड़वानी के अंजड़ के रहने वाले दिलीप पिपलिया के साथ शादी हुई थी। ससुराल में कपड़े की दुकान है, लेकिन पति कोई काम नहीं करता। शादी के बाद दहेज को लेकर कहता है- ऐसे कैसे ससुराल आ गई। हादसे के बाद पुलिस की टीम ने मौके का मुआयना किया और मृतकों के परिजनों का पता लगाने का प्रयास जारी है। साथ ही, अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश तेज कर दी गई हैँ।

पीड़िता ने बताया, रविवार रात को पति शराब पीकर घर आया। उसने दहेज लाने के लिए कहा और मेरे पेट में लात मारी। मुझे घसीटकर किचन में ले गया। मेरे हाथ-पैर बांध दिए। सिर पर कट्टा जैसा कुछ रखकर धमकाया। गैस चूल्हे पर चाकू गर्म कर शरीर पर कई जगह दागा। सुबह इस बारे में सास-ससुर को बताया। उन्होंने दिलीप को समझाने का बोला, लेकिन बाद में कहने लगे कि मैंने ही खुद को जला लिया है।

भाई लेने पहुंचा तो उससे भी विवाद किया : खुशबू के पिता लोकेश वर्मा ने बताया, बेटी ने हमें बताया कि दामाद उसे परेशान कर रहा है। सोमवार सुबह छोटा बेटा उसे लेने अंजड़ पहुंचा। उसके ससुराल के लोगों ने बेटे के साथ विवाद किया। बड़ी मुश्किल से वह बेटी को उनके चंगुल से छुड़ाकर लाया। बड़वानी पुलिस से मदद ही नहीं ले पाए। वे लोग गाड़ी में भरकर हमारे घर भी आए थे। मेनगांव के पुल के पास धमकाया कि आधे घंटे में बेटी को ससुराल नहीं भेजा तो अंजाम बुरा होगा। इसके बाद मेनगांव पुलिस थाने गए। पुलिस की मदद से बेटी को अस्पताल में भर्ती कराया।

पुलिस ने बयान लिए, जांच जारी : जैतापुर पुलिस थाना एएसआई रेखा भलराय ने कहा, पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया है। मामले की जांच की जा रही है। उसके बयान लिए जा रहे हैं। उसमें जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

000000000000

सागर में पत्नी का इलाज कराने गए पति से मारपीट:भाग्योदय हॉस्पिटल की पार्किंग में विवाद

सागर, एजेंसी। सागर के खुरई रोड पर स्थित भाग्योदय हॉस्पिटल में सोमवार रात पत्नी का इलाज कराने पहुंचे पति के साथ अज्ञात लोगों ने जमकर मारपीट की। मारपीट होते देख हॉस्पिटल के पार्किंग परिसर में अफरा-तफरी मच गई। लोगों की भीड़ जमा हुई। मारपीट में घायल हुए व्यक्ति को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शिकायत पर मोतीनगर थाना पुलिस ने मामला जांच में लिया है। घायल की पत्नी सुलेखा जैन निवासी रामपुरा वार्ड ने बताया कि भाग्योदय हॉस्पिटल में डॉक्टर को दिखाने के लिए नंबर लगा था। पति प्रशांत जैन के साथ स्कूटी से डॉक्टर को दिखाने के लिए भाग्योदय हॉस्पिटल पहुंचे। अस्पताल की पार्किंग में पति प्रशांत ने स्कूटी पार्क की। गाड़ी खड़ी करते ही कुछ लोग आए और पति के साथ मारपीट शुरू कर दी।

ऐसा क्यों हुआ, कुछ समझ नहीं आया : सुलेखा के अनुसार, प्रशांत ने न तो किसी से कुछ कहा और न ही कुछ समझ आया। अचानक से लोगों ने आकर मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में वे घायल हुए हैं। घटना देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। घायल को मोतीनगर थाने लेकर पहुंचे। जहां शिकायत की, पुलिस ने स्थितियों को देखते हुए घायल प्रशांत जैन को तत्काल पुलिस वाहन से उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा। वहीं मामले में मोतीनगर पुलिस विवाद के कारणों और हकीकत की जांच कर रही है।

भूमका घाटी में बाइक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर:दो युवकों की मौके पर मौत, इस एरिया में आए दिन हो रहे हादसे

छिंदवाड़ा, एजेंसी। छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा तहसील में मंगलवार दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। भूमका घाटी में एक बाइक (स्क्र28 रू3041) सवार दो युवकों को एक अज्ञात वाहन ने जोर से टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

रास्ते से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी : स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। अमरवाड़ा थाना प्रभारी राजेंद्र धुर्वे के अनुसार, हादसा हाल ही में हुआ है और मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। शव की शिनाख्त में समय लगेगा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

भूमका घाटी में हादसों का सिलसिला जारी : भूमका घाटी में सड़क हादसे की घटनाएं आम हो गई हैं। इस एरिया में लगातार एक्सीडेंट की घटनाएं बढ़ रही हैं। यहां की गहरी घाटी और खतरनाक मोड़ों के कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं। हाल ही में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में छिंदवाड़ा सांसद ने भी इस जगह को चिन्हित कर, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और सावधानी बरतने के निर्देश दिए थे। मृतकों की नहीं हो पाई पहचान स्थानीय लोगों का कहना है कि इस घाटी में ट्रक और भारी वाहनों के साथ-साथ दोपहिया वाहन चालक भी अक्सर हादसों का शिकार हो जाते हैं।

सीहोर में हरतालिका तीज पर महंगाई की मार:20 रुपए में एक धतूरा, केले का पत्ता 10 रुपए में, पूजन सामग्री की कीमतें आसमान पर पहुंची

सीहोर, एजेंसी। सीहोर में हरतालिका तीज के अवसर पर पूजन सामग्री की कीमतों में भारी बढ़ोतरी देखी जा रही है। पिछले साल एक रुपए में मिलने वाला धतूरा इस साल 20 रुपए में मिल रहा है। व्यापारियों का कहना है कि शाम तक इसकी कीमत 40 रुपए तक पहुंच सकती है।

बेल पत्र से लेकर केले पत्ते तक की कीमतें बढ़ीं: नगर के मुख्य मार्ग पर पांच चौराहा सहित विभिन्न स्थानों पर पूजन सामग्री की अस्थाई दुकानें लगी हैं। केले का पत्ता 10 रुपए प्रति पत्ता बिक रहा है। अकाउ के फूल की कीमत 20 रुपए से कम नहीं है। दूर्वा, बेल पत्र और शमी पत्र की कीमतें भी इस साल बहुत ज्यादा बढ़ी हुई हैं।

गजकेसरी योग बना : पंडित गणेश शर्मा के अनुसार, हरतालिका तीज का व्रत पति की लंबी और वैवाहिक सुख के लिए किया जाता है। कुंवारी कन्याएं शिव जैसे पति की प्राप्ति के लिए यह व्रत रखती हैं। इस दिन गौरी-शंकर की पूजा हस्त नक्षत्र में की जाती है। इस वर्ष गजकेसरी और नवपंचम राजयोग भी बन रहे हैं। पूजन सामग्री की दुकान लगाने वाले कृष्णा ने बताया कि वे हर वर्ष त्योहार पर सड़क किनारे अस्थाई दुकान लगाते हैं। इस वर्ष सामान की कम उपलब्धता और अधिक मांग के कारण कीमतें बढ़ी हुई हैं।

रायसेन में बाइक समेत ट्राले के नीचे आया युवक: मौके पर मौत, नर्मदापुरम से छींद जा रहे थे 2 दोस्त

रायसेन , एजेंसी। रायसेन में ह्वा-45 पर बरेली के इंडियन रिसोर्ट के पास 2 युवकों की बाइक तेज रफ्तार ट्राले की चपेट में आ गई। जिसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना मंगलवार सुबह की है।

पहिए के नीचे आई बाइक : दोनों युवक दर्शन के लिए नर्मदापुरम से छींद मंदिर जा रहे थे। गाय को बचाने की कोशिश में बाइक ट्राले के नीचे आ गई। हादसे में नयन खंडेलवाल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं नयन के साथ बाइक पर सवार आयुष दीक्षित गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने हाइड्रा की मदद से मृतक को ट्राले के नीचे से निकालकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घायल आयुष को इलाज के लिए बरेली सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मनचले को छात्रा ने सिखाया सबक, भीड़ ने भी पीटा: नर्मदापुरम में 50 रुपए देकर नेशनल प्लेयर का हाथ पकड़ने की कोशिश

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम में कोठी बाजार पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने राह चलते छेड़छाड़ करने वाले मनचले की एक नाबालिग स्कूली छात्रा ने पिटाई कर दी। छात्रा ने थप्पड़ मुक्के से मनचले युवक की धुनाई शुरू कर, इसके वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए।

घटना सोमवार रात करीब 7.15 बजे की है। छात्रा का आरोप है कि युवक आसिफ उर्फ समीर खान (20) निवासी मालाखेड़ी ने उसे 50 रुपए देकर हाथ पकड़ते हुए चलने का कहा था। इसके बाद छात्रा क्रोधित हो गई और युवक को पकड़कर धुनाई शुरू कर दी। पिटते देख लोगों की भीड़ लग गई। छात्रा ने बताया, मैं बॉलीवॉल की नेशनल प्लेयर हूं। मामले में रात 10.05 बजे पुलिस ने आसिफ उर्फ समीर खान के खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज किया।

नशे में था आरोपी, भीड़ ने भी पीटा : जानकारी के मुताबिक, छात्रा अपनी सहेली के साथ प्रैक्टिस कर घर लौट रही थी, तभी एक युवक आया। जो काफी नशे में थे। उसने 50 रुपए देते हुए चलने को कहा था। मेरा हाथ भी पकड़ लिया। छात्रा बिना डरे मनचले को पकड़कर पीटने लगी। इस बीच लोगों ने यह देख एकत्र हो गए। भीड़ ने भी उसकी पिटाई कर दी। छात्रा का कहना है कि युवक ने अपना नाम आसिफ और किसी सलमान खान का परिचित बता रहा।

कोतवाली टीआई कंचन सिंह ठाकुर ने बताया 15 साल की एक नाबालिग छात्रा से आरोपी ने छेड़छाड़ की। आरोपी आसिफ उर्फ समीर खान (20) निवासी मालाखेड़ी नर्मदापुरम के खिलाफ बीएनएस की धारा 74,7/8 पास्को एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

00000000000000

स्कूलों में पेयजल की गुणवत्ता जांच अनिवार्य:मंदसौर कलेक्टर बोलीं- जल जीवन मिशन के काम दिसंबर तक पूरे करें

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर में सुशासन भवन स्थित सभागृह में मंगलवार को कलेक्टर अदिति गर्ग की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक में अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन सहित अन्य जिला अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने बरसात के मौसम को देखते हुए सभी विभाग प्रमुखों को अपने संस्थानों में स्वच्छ पेयजल अभियान चलाने के निर्देश दिए। स्कूलों में बच्चों को मिलने वाले पानी की गुणवत्ता जांच अनिवार्य की गई है। पीएचई और स्वास्थ्य विभाग इस अभियान का नेतृत्व करेंगे।

सभी संस्थानों में पानी की शुद्धता की जांच की जाएगी। आम लोगों को खुले में पानी न रखने और केवल स्वच्छ पानी के उपयोग के लिए जागरूक किया जाएगा। नगर पालिका और एसडीएम को खुले कुओं और नालों की रोकथाम का जिम्मा सौंपा गया है। तेलिया तालाब के सौंदर्यीकरण और सफाई का काम उद्यानिकी विभाग को दिया गया है। तालाब में खराब लाइटों की मरम्मत की जाएगी। बोटिंग सुविधा शुरू करने के लिए टेंडर प्रक्रिया और टॉपिकल सर्वे के आदेश दिए गए हैं।

राजस्व विभाग को 30 अगस्त तक फार्मर रजिस्ट्री और ई-केवाईसी अभियान पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र को जैविक उत्पादों के व्यापार के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने को कहा गया है।

छतरपुर के हनुमान मंदिर में मूर्ति खंडित करने पर आक्रोश:विहिप ने दी आंदोलन की चेतावनी, पुलिस जांच में जुटी

छतरपुर, एजेंसी । छतरपुर के लवकुशनगर थाना क्षेत्र में अज्ञात

लोगों ने बजरंगबली की एक पुरानी मूर्ति को खंडित कर दिया। यह घटना रविवार की देर रात की है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना से गांव के लोगों में आक्रोश है। वे आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के जीतेन्द्र शर्मा ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर बड़ा आंदोलन होगा।

नई मूर्ति स्थापित करने का दिया आश्वासन : सूचना मिलते ही लवकुशनगर थाना प्रभारी अजय अम्बे और जुझार नगर थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने ग्रामीणों को नई मूर्ति स्थापित करने का आश्वासन दिया है। एसडीओपी लवकुशनगर नवीन दुबे ने बताया कि पठा चौकी के पूरा गांव में मूर्ति तोड़े जाने की सूचना मिली है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बुरहानपुर समेत ग्रामीण अंचल में महिलाओं ने रखा निर्जल व्रत: हरतालिका तीज पर शिव-पार्वती पूजन कर मांगा अखंड सौभाग्य

बुरहानपुर, एजेंसी। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की तृतीया को हस्त नक्षत्र में मंगलवार को हरितालिका तीज मनाई गई। बुरहानपुर, खकनार, नेपानगर और आसपास के गांवों में महिलाओं ने मंदिरों में पूजा-अर्चना की। सुबह से ही मंदिरों में महिलाओं और युवतियों का आना शुरू हो गया। विवाहित महिलाओं ने अखंड सौभाग्य के लिए निर्जल व्रत रखा। यह व्रत माता पार्वती द्वारा भगवान शिव की प्राप्ति के लिए रखे गए व्रत की परंपरा है।

ग्राम हैदरपुर के विट्ठल मंदिर में विवाहित महिलाओं और कुंवारी कन्याओं ने पूजा-अर्चना की। मान्यता है कि इस दिन की गई पूजा से वैवाहिक जीवन सफल होता है। भगवान शिव और माता पार्वती की विधिवत पूजा की गई। कुंवारी कन्याओं ने अच्छे वर की प्राप्ति के लिए प्रार्थना की। मंदिरों में महिलाओं का आना-जाना जारी रहा। व्रत का समापन अगले दिन होगा।, उनकी अपनी ड्यूटी है। वो अपनी ड्यूटी करेंगे। लेकिन हमारे जो राष्ट्रीय अध्यक्ष आए हैं, उनके साथ सबको फोटो लेना है, सेल्फी लेना है। पीछे भीड़ आई तो मेरे साथ विधायक और अन्य लोग थे। हमने सुरक्षा गार्ड को बोला कि हमें चले जाने दो।

रतलाम में खरपतवार नाशक दवा से सोयाबीन फसल बर्बाद:दुकान संचालक और कंपनी पर एफआईआर दर्ज

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में किसानों के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। खेत में खरपतवार नष्ट करने के लिए दी गई दवा का उल्टा असर हुआ। खरपतवार नहीं मरा, लेकिन सोयाबीन फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। पिपलौदा पुलिस ने सोमवार को दवा दुकान संचालक और फर्टिलाइज्ड कंपनी के खिलाफ केस दर्ज किया। यह कार्रवाई पिपलौदा विकासखंड के कृषि विकास अधिकारी ब्रजमोहन सोलंकी के प्रतिवेदन पर की गई। वेस्टर्न कोल्ड फील्ड लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) पाथाखेड़ा से 2019 में बर्खास्त कर्मचारी द्वारा नाम परिवर्तन की सूचना राजपत्र में प्रकाशित कराने का मामला सामने आया है। एमपी नगर पुलिस ने इस मामले में बर्खास्त कर्मचारी अमृत धोटे और आवेदन प्रस्तुत करने वाली एडवोकेट रेखा जैन के खिलाफ कूट रचित दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करने का केस दर्ज किया है। चार साल की लंबी जांच के बाद एमपी नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। कार्रवाई से पहले डीपीओ से अभिमत लिया गया। राजधानी की बात करें तो बीते साल अगस्त के अंत तक चिकनगुनिया के 40 मरीज मिले थे। इस साल अब तक 58 मरीजों में इसकी पुष्टि हो चुकी है। खास बात यह है कि चिकनगुनिया जैसे लक्षण वाले मामले भी तेजी से बढ़े हैं। सभी को बुखार, जोड़ों का दर्द, मांसपेशियों में अकड़न जैसी शिकायत है, लेकिन रिपोर्ट पॉजिटिव नहीं आती। घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर पुलिस आरोपी वाहन चालक की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस के मुताबिक फयाज उद्दीन पिता कमरूद्दीन (45) साल चर्च रोड जिंसी ऑटो चलाते थे। दो बेटी और दो बेटों के पिता थे। बंसल चौराहा पर अज्ञात ऑटो ने टक्कर मारी है। 1250 पहुंचाया तो डॉक्टरों ने चेक कर मृत घोषित कर दिया। भाई अमीन उद्दीन ने मौत को संदिग्ध बताया है। वहीं पुलिस का कहना है कि अज्ञात कार की टक्कर से युवक घायल हो गया था। राहगीरों की मदद से एम्बुलेंस से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। जेपी अस्पताल में कुछ देर चले इलाज के बाद उनकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। हमीदिया, जेपी और एम्स में एक अगस्त से अब तक 7 हजार से ज्यादा मरीज पहुंचे हैं। इसमें से 700 से ज्यादा मरीजों की जांच भी हो चुकी है। डॉक्टर बताते हैं कि इस बार मरीजों की सबसे बड़ी शिकायत जोड़ों में दर्द की है। मरीज बताते हैं कि लगता है जैसे हड्डियां आपस में टकरा रही हों।पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में वायब्रेंट ग्राम सभा के माध्यम से ग्रामीण विकास योजनाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी को और अधिक सशक्त बनाया जा रहा है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्राम सभा केवल औपचारिकता न होकर गाँव की वास्तविक सरकार है, जो जनता के बीच बैठकर उनके लिए निर्णय लेती है। इस दृष्टि से प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम सभाओं को नियमित, सुव्यवस्थित और सहभागितापूर्ण बनाने के लिये विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

टेस्ट रिपोर्ट 10 दिन तक पॉजिटिव नहीं आ रही, जिससे पहचान में देरी हो रही है। मरीजों के लिए यह सिर्फ बुखार नहीं, बल्कि हफ्तों तक चलने वाला जोड़ों का कहर है। बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर इम्युनिटी वाले मरीजों के लिए यह और खतरनाक है। जांच में सामने आया कि पंचेवा स्थित आंजना ट्रेडर्स से किसानों ने 'बायोक्लोर' खरपतवार नाशक दवा खरीदी थी। हालांकि दवा के छिड़काव के बाद सोयाबीन की फसल सूख गई, लेकिन खरपतवार पर इसका कोई असर नहीं हुआ। कृषि विभाग की जांच में पता चला कि यह दवा दिल्ली स्थित एचपीएम केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड की थी। किसानों के साथ धोखाधड़ी कर गलत दवा बेचकर राशि हड़पने का मामला सामने आया।

पुलिस ने आंजना ट्रेडर्स के रितुराज जेठाना, एचपीएम केमिकल्स के क्वालिटी कंट्रोलर और कंपनी के सीईओ के खिलाफ बीएनएस की धारा समेत कीटनाशी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है।

पुरुष एशिया कप हॉकी: दर्शकों को मिलेगी फ्री एंट्री, टिकट होंगे मुत 9 29 अगस्त से 7 सितंबर तक राजगीर हॉकी स्टेडियम में होगा एशिया कप का आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को घोषणा की कि हीरो पुरुष एशिया कप राजगीर, बिहार 2025 के सभी मैचों में दर्शकों का प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क होगा। 29 अगस्त से 7 सितंबर तक नव-निर्मित राजगीर हॉकी स्टेडियम में होने वाला यह टूर्नामेंट बिहार की धरती पर हॉकी का ऐतिहासिक उत्सव बनने जा रहा है।कोच वली फ़राजोव ने कहा, मेरे लिए, आर्म रेसलिंग सिर्फ़ एक खेल नहीं, बल्कि मेरी ज़िंदगी है, सुबह-शाम। मैं एक कोच, एक रेफ़री और यहाँ तक कि एक मास्टर रेफ़री भी रहा हूँ, और मैं गर्व से कह सकता हूँ कि आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता के सबसे सुरक्षित और शुद्धतम रूपों में से एक है। इसकी ख़ासियत इसकी सादगी है–आपको किसी बड़े जिम या भारी उपकरणों की ज़रूरत नहीं है; हर कोई घर पर ही खेल के प्रति जुनून और प्यार के साथ प्रशिक्षण ले सकता है। जो भी इस खेल से सच्चा प्यार करता है, वही जीतता है। आर्म रेसलिंग सदियों से दुनिया भर में प्रचलित है, यहाँ तक कि प्राचीन काल में भी जब राजा युद्ध के बजाय अपने सबसे ताकतवर लोगों को आर्म रेसलिंग में प्रतिस्पर्धा करने के लिए भेजते थे। ताकत, सम्मान और एकता की वह परंपरा आज भी जारी है, और प्रो पंजा लीग सीज़न 2 दुनिया के सबसे बड़े मंच पर उस विरासत को आगे बढ़ा रहा है।

प्रशंसक अपनी मुफ्त टिकट पाने के लिए www.ticketgenie.in या हॉकी इंडिया ऐप पर पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण के बाद उन्हें वर्चुअल टिकट प्राप्त होगा, जिससे स्टेडियम में प्रवेश सहज और बिना किसी परेशानी के हो सकेगा।

इस अवसर पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, राजगीर में हीरो पुरुष एशिया कप की मेजबानी भारतीय हॉकी के लिए ऐतिहासिक क्षण है। हम चाहते हैं कि हर प्रशंसक इस यात्रा का हिस्सा बने। प्रवेश निशुल्क रखने का उद्देश्य खेल को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है ताकि परिवार, छात्र और युवा खिलाड़ी विश्वस्तरीय हॉकी का आनंद ले सकें। यह सिर्फ टूर्नामेंट नहीं, बल्कि खेल का उत्सव है और बिहार के लोग इसके केंद्र में हैं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी खुशी जाहिर करते हुए कहा,हम बेहद उत्साहित हैं कि सभी मैचों के लिए दर्शकों को निशुल्क प्रवेश मिलेगा। राजगीर ने हॉकी के प्रति जबरदस्त उत्साह दिखाया है और हमें विश्वास है कि दर्शक बड़ी संख्या में स्टेडियम आएंगे। यह पहल पूरे भारत में हॉकी संस्कृति को मजबूत बनाने की दिशा में हमारा संकल्प है।

इस टूर्नामेंट में एशिया की शीर्ष आठ टीमें भाग लेंगी – भारत, जापान, चीन, कजाकिस्तान, मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपे। यह टूर्नामेंट एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफायर भी है, जिससे हर मुकाबला और ज्यादा रोमांचक होगा। भारतीय टीम पूल-ए में जापान, चीन और कजाकिस्तान के साथ रखी गई है। भारत 29 अगस्त को चीन के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगा, 31 अगस्त को जापान से भिड़ेगा और 1 सितंबर को कजाकिस्तान से अपना अंतिम पूल मैच खेलेगा।

यूएस ओपन में पहले दौर की हार के बाद दो बार की विंबलडन चैंपियन पेट्रा क्वितोवा ने टेनिस को कहा अलविदा

न्यूयॉक, एजेंसी। दो बार की विंबलडन विजेता और पूर्व विश्व नंबर-2 चेक गणराज्य की स्टार टेनिस खिलाड़ी पेट्रा क्वितोवा ने यूएस ओपन 2025 के पहले दौर में हार के बाद पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लिया। सोमवार को फ्लशिंग मीडोज़ में खेले गए पहले राउंड में क्वितोवा को फ्रांस की डायेन पेरी के हाथों 6-1, 6-0 की हार झेलनी पड़ी। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में 35 वर्षीय बाएं हाथ की खिलाड़ी ने भावुक होते हुए अपने करियर को अलविदा कहा। मैच के बाद कोर्ट पर क्वितोवा की आंखों से आंसू छलक पड़े और उन्होंने अपने पति व कोच जीरी वानेक को गले लगाया। दोनों पिछले साल जुलाई में बेटे पेत्र के माता-पिता बने थे, जिसके बाद क्वितोवा 17 महीने के अंतराल के बाद इस साल कोर्ट पर लौटी थीं। क्वितोवा ने इस साल की शुरुआत में ही घोषणा कर दी थी कि वह यूएस ओपन के बाद टेनिस से संन्यास लेंगी। अपने शानदार करियर में क्वितोवा ने 2011 और 2014 में विंबलडन खिताब जीता। 2019 में वह ऑस्ट्रेलियन ओपन की उपविजेता रहीं और विश्व रैंकिंग में नंबर-2 तक पहुंचीं। दिसंबर 2016 में क्वितोवा के करियर पर संकट तब आया जब एक हमलावर ने उनके घर में घुसकर चाकू से हमला कर दिया था। उनकी बायीं हाथ की कलाई और उंगलियों की सर्जरी करनी पड़ी थी। इसके बावजूद वह महज छह महीने बाद फ्रेंच ओपन में कोर्ट पर लौटीं और अपने पहले ही मैच में जीत हासिल की। अपने करियर को याद करते हुए क्वितोवा ने कहा ङ्क मैं कई बातों पर गर्व महसूस करती हूं। खासकर मानसिक मजबूती पर। चोटों और बीमारियों के बावजूद हमेशा टॉप-10 में बने रहना मेरे लिए खास उपलब्धि है।

एशियाई निशानेबाजी : भारत ने महिला 50 मीटर राइफल थ्री-पोजिशन टीम स्पर्धा में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। कजाकिस्तान के शिमकेंट में आयोजित एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में भारत की महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर राइफल 3-पोज़िशन टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ओलंपियन सिफ्त कौर समरा ने बेहतरीन नेतृत्व दिखाते हुए अंजुम मौदगिल और आशी चौकसी के साथ मिलकर भारत को यह सफलता दिलाई। समरा ने 589 अंक, आशी ने 586 और अंजुम ने 578 अंक हासिल किए। तीनों का संयुक्त स्कोर 1753 रहा, जिसके दम पर भारत ने जापान (1750) और दक्षिण कोरिया (1745) को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। व्यक्तिगत स्पर्धा में भी भारत की दो निशानेबाज़ों ने फाइनल में जगह बनाई। समरा और आशी ने क्वालिफिकेशन राउंड में क्रमशः दूसरा और पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया। वहीं, एक अन्य भारतीय श्रियंका साधांदी ने क्वालिफिकेशन राउंड में टॉप किया, लेकिन वह 'रैंकिंग पॉइंट्स ओनली (ऋब्ह)' श्रेणी में खेल रही थीं, इसलिए मेडल की दौड़ में शामिल नहीं हो सकीं। इस कारण समरा और आशी को व्यक्तिगत फाइनल में क्रमशः पहला और चौथा स्थान मिला। अनुभवी शूटर और दो बार की ओलंपियन अंजुम मौदगिल 41 प्रतिभागियों के बीच 22वें स्थान पर रहीं। इससे पहले सोमवार को स्वर्ण पदक जीतकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई थी।

प्रो पंजा लीग सीज़न 2 को अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षकों ने दुनिया के सबसे बड़े आर्म-रेसलिंग मंच के रूप में सराहा

ग्वालियर, एजेंसी। प्रो पंजा लीग (पीपीएल) ने पेशेवर आर्म-रेसलिंग में एक नया मानक स्थापित किया है। पीपीएल सीज़न 2 न केवल भारत के लिए, बल्कि विश्व स्तर पर एक ऐतिहासिक आयोजन था। कई पर्यवेक्षकों ने कहा कि इसका पेशेवर रूप से तैयार किया गया मंच अब तक के किसी भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से बेहतर है और पीपीएल की एक विज्ञप्ति के अनुसार, इसे दुनिया भर में दुनिया के प्रमुख आर्म-रेसलिंग टूर्नामेंट के रूप में मान्यता मिली है।

यह लीग खेल उत्कृष्टता, विविधता और एकता का एक सच्चा उत्सव बन गई है, जो देश भर के शीर्ष भारतीय एथलीटों और शीर्ष अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षकों को एक साथ लाती है। सीज़न 2 के दौरान, सभी छह टीमों को इन अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का लाभ मिला, जिन्होंने आर्म-रेसलिंग टेबल पर कौशल स्तर और प्रतिस्पर्धा को बढ़ाया।

एमपी हाथोदास की मुख्य कोच और किर्गिज़ गणराज्य की नागरिक एलेना, जो इस खेल की अनुभवी हैं, प्रो पंजा लीग सीज़न 2 द्वारा दर्शकों को प्रदान किए गए माहौल और मनोरंजन की गुणवत्ता से अभिभूत थीं। एमपी हाथोदास के पास एक मज़बूत टीम है जिसमें सचिन गोयल, वेथोज़ो लोहे और किमकिमा जैसे बेहतरीन खिलाड़ी शामिल हैं, जो टीम के सबसे युवा और सबसे मज़बूत कैडेट हैं।

एमपी हाथोदास की मुख्य कोच एलेना ने कहा, प्रो पंजा लीग आर्म-रेसलिंग के क्षेत्र में हुई सबसे अनोखी चीज़ों में से एक है। सच कहूँ तो, यह एशियाई और विश्व चैंपियनशिप से कहीं ऊँचे स्तर पर है। यहाँ हर खिलाड़ी को वह ध्यान मिलता है जिसका वह हकदार है, और भारत के विभिन्न क्षेत्रों के खिलाड़ियों को लेकर टीमें बनाई जाती हैं, जिससे एक बड़ा परिवार बनता है। इतनी विविधता में एकता देखना अद्भुत है। प्रो पंजा लीग वास्तव में इस खेल के लिए काम करती है और भारत में आर्म-रेसलिंग के विकास को बढ़ावा दे रही है, पीपीएल द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार। यूक्रेनी नागरिक और जयपुर वीर्स के मुख्य कोच मैक्सिम पोलिशचुक पिछले सीज़न में भी लीग का हिस्सा थे, लेकिन इस साल विकास और पेशेवरीकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता देखकर वे हैरान हैं। जयपुर वीर्स एक अग्रणी फ्रैंचाइज़ी भी है, जिसमें मज़ाहिर सैदु, सिद्धांत कथूरिया, प्रसेनजीत पात्रा जैसे शीर्ष खिलाड़ी और योगेश चौधरी, बिमल रावत जैसी महिला एथलीट प्रो पंजा लीग के दूसरे सीज़न में फ्रैंचाइज़ी का रुतबा बनाए हुए हैं।

मुख्य कोच मैक्सिम ने कहा, आयोजक, प्रबंधक और इसमें शामिल सभी लोग लगातार सुधार कर रहे हैं। खेल को लोकप्रिय बनाने पर ध्यान केंद्रित करना अद्भुत है, और मुझे यहाँ का माहौल बहुत पसंद है। भारत को एथलीटों को बेहतर ढंग से तैयार करने के लिए अधिक शिक्षित कोचों की आवश्यकता है, लेकिन यहाँ का प्रयास असाधारण है। मेरा कार्यक्रम बहुत व्यस्त है, लेकिन मैंने सीज़न 2 के लिए वापस आने का समय निकाला क्योंकि मुझे यहाँ बहुत अच्छा लगता है। आर्म रेसलिंग के विकास और इसकी ऐतिहासिक विरासत पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए, कज़ाकिस्तान के नागरिक और रोहतक राउडीज़ के मुख्य कोच वली फ़राजोव, जिन्होंने इस खेल में कोच, रेफरी और मास्टर रेफरी के रूप में दशकों बिताए हैं, ने प्रो पंजा लीग सीज़न 2 के लिए अपना जुनून और समर्थन व्यक्त किया। रोहतक राउडीज़ ने दारा सिंह हांडा, हर्ष शर्मा, श्रीनिवास बी.वी., निर्मल ओलियान और बिल्ला जैसी शीर्ष प्रतिभाओं को बढ़ावा दिया है।

बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप : पहले ही दौर में हारे लक्ष्य सेन, विश्व नंबर-1 शी यू ची से मिली हार

पेरिस, एजेंसी। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन का बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 का अभियान निराशाजनक ढंग से समाप्त हो गया। पुरुष एकल के पहले ही दौर में उन्हें विश्व नंबर-1 और शीर्ष वरीय चीन के शी यू ची के हाथों सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा।

24 वर्षीय लक्ष्य, जो 2021 में कांस्य पदक जीत चुके हैं, ने सोमवार को कड़ा मुकाबला किया लेकिन अंततः 17-21, 19-21 से 54 मिनट में पराजित हुए। मैच के दौरान उन्होंने कई लंबी रैलियों में दमदार खेल दिखाया, लेकिन अहम मौकों पर शी की मजबूत डिफेंस और तेज स्मैश को भेदने में असफल रहे। लक्ष्य सेन इस टूर्नामेंट में ओलंपिक 2024 की चौथे स्थान वाली निराशा को पीछे छोड़ने के इरादे से उतरे थे, लेकिन शुरुआती दौर में ही फॉर्म में चल रहे शी यू ची से भिड़ना उनके लिए मुश्किल साबित हुआ। चीनी खिलाड़ी जनवरी 2024 से अब तक खेले गए नौ फाइनल में अपराजित रहे हैं और अपने शानदार खेल से उन्होंने इस मुकाबले पर भी दबदबा बनाए रखा। इस जीत के साथ शी ने लक्ष्य पर अपना आमने-सामने का रिकॉर्ड 4-1 कर लिया।

पहले गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार रैलियों से दर्शकों को बांधे रखा। एक 47 शॉट की लंबी रैली लक्ष्य की गलती पर खत्म हुई और शी ने बढ़त बना ली। हालांकि लक्ष्य ने बीच में वापसी करते हुए 11-11 की बराबरी की, लेकिन उसके बाद चीनी खिलाड़ी ने लगातार आक्रामक स्मैश से बढ़त हासिल कर पहला गेम 21-17 से जीत लिया।

दूसरे गेम में लक्ष्य ने अच्छी शुरुआत की और 5-5 तक मुकाबला बराबरी पर रहा। लेकिन शी ने अपनी गति और विविध शॉट्स से बढ़त बनानी शुरू कर दी। उनकी 414 किमी/घंटा की रफ्तार वाली स्मैश ने मुकाबले का रुख तय कर दिया। हालांकि लक्ष्य ने स्कोर 16-17 तक पहुंचाकर जोरदार वापसी की कोशिश की, लेकिन निर्णायक क्षणों में लगातार दो अनफोर्स्ड एरर ने उन्हें हार की ओर धकेल दिया। अंततः शी ने दूसरा गेम 21-19 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

डीपीएल: सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने पुरानी दिल्ली 6 को 104 रनों से हराकर प्लेऑफ में बनाई जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने शानदार ऑलराउंड खेल का प्रदर्शन करते हुए सोमवार रात अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए वर्षा प्रभावित मुकाबले में पुरानी दिल्ली 6 को 104 रनों (डीएलएस विधि) से मात दी और दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के प्लेऑफ में प्रवेश कर लिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए किंग्स ने 18 ओवर में 5 विकेट खोकर 197 रन बनाए। विकेटकीपर कौशल सुमन (5) के जल्दी आउट होने के बाद ओपनर यश धुल ने एक शानदार अर्धशतक जड़ा और युगल सैनी (28 रन, 20 गेंद) के साथ 57 रनों की अहम साझेदारी की। कप्तान जोंटी सिधु (28 रन, 16 गेंद) और आदित्य भंडारी (17 रन, 11 गेंद) ने भी योगदान दिया। वहीं अंत में आर्यन राणा ने मात्र 14 गेंदों पर नाबाद 42 रनों की आतिशी पारी खेलकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुँचाया। पुरानी दिल्ली 6 की ओर से राजनीश ददर ने 4 ओवर में 40 रन देकर 3 विकेट झटके।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पुरानी दिल्ली 6 की शुरुआत बेहद खराब रही। मनी ग्रेवाल और अरुण पुंडीर ने शुरुआती झटके दिए और टीम ने पावरप्ले में ही 44/3 का स्कोर बना लिया। इसके बाद बारिश के कारण खेल रुका और लक्ष्य 15 ओवर में 174 रन तय किया गया। लेकिन वापसी के बाद भी टीम की हालत नहीं सुधरी। सिमरजीत सिंह ने देव लाकड़ा (6) और आदित्य मल्होत्रा (0) को पवेलियन भेजकर विपक्ष को और दबाव में डाल दिया।

प्रणव पंत (24 रन, 17 गेंद) ने थोड़ी देर संघर्ष किया, लेकिन उनके आउट होते ही पूरी टीम 69 रन पर सिमट गई और सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 104 रनों की एकतरफा जीत दर्ज की।

गेंदबाजी में कप्तान जोंटी सिधु ने 1 ओवर में 2 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि सिमरजीत सिंह ने भी 2 रन देकर 2 विकेट चटकाए। पुंडीर ने 2/28 के आंकड़े के साथ टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

सिंकफील्ड कप: आसान जीत के बाद प्रज्ञानानंदा संयुक्त बढ़त पर, गुकेश हारे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने ग्रैंड शतरंज टूर के अंतर्गत आने वाले सिंकफील्ड कप के सातवें दौर के बाद फ्रांसीसी खिलाड़ी अलीरेजा फिरौजा पर शानदार जीत दर्ज कर संयुक्त बढ़त हासिल कर ली। लगातार ड्रॉ के बाद अपनी दूसरी जीत के साथ, प्रज्ञानानंदा 4.5 अंकों के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के फैबियानो कारुआना के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुँच गए। यह उस दिन हुआ जब विश्व चैंपियन डी. गुकेश को अमेरिकी वेस्ली सो ने हराया था। प्रज्ञानानंदा और कारुआना के आगे होने के साथ, लेवोन अरोनियन और वेस्ली सो अब चार-चार अंकों के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं, जबकि मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव, पोलैंड के डूडा जान-क्रिज़्सटॉफ़ और संयुक्त राज्य अमेरिका के सैमुअल सेवियन पचास प्रतिशत अंकों के साथ संयुक्त रूप से पाँचवें स्थान पर हैं।

गुकेश और अलीरेजा तीन-तीन अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर हैं और नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव केवल 1.5 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर रहने के लिए तैयार दिख रहे हैं। पिछले दो राउंड में एक भी निर्णायक गेम न होने के बाद, सातवें राउंड में इस 10-खिलाड़ियों वाले 375000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि वाले टूर्नामेंट में संभावित पाँच में से तीन निर्णायक गेम हुए। अलीरेजा और गुकेश के अलावा, नोडिरबेक की किस्मत ने उनका साथ नहीं छोड़ा और वह टूर्नामेंट में अपना चौथा गेम डूडा के हाथों हार गए। प्रग्गनानंदा ने अलीरेजा को मात दी, जिन्होंने शुरुआती गेम के बाद अपनी स्थिति को ज़रूरत से ज़्यादा आंका था। सिसिली के रोसोलिमो के खिलाफ रोसोलिमो को एक शक्तिशाली हथियार माना जाता है, लेकिन अलीरेजा मध्य गेम के शुरुआती दौर से ही भटक गए। प्रग्गनानंदा ने सही समय पर सही चालें चलीं और सेंटर पर हमला करके बढ़त हासिल कर ली, जिसमें उनके बिशप्स की जोड़ी ने सफ़ेद कार्ड के सेंटर पर ज़बरदस्त प्रभाव डाला। लीरेज़ा लगातार कुछ रणनीतिक उपाय खोजते रहे, जो कभी कारगर नहीं हुए और अंततः एक बड़ी भूल साबित हुए और उन्हें अंतिम गेम में हार का सामना करना पड़ा। खेल सिर्फ़ 27 चालों में ही खत्म हो गया। गुकेश ने बर्लिन की रक्षा पंक्ति में काले मोहरों से शुरुआत की और वेस्ली ने पारंपरिक अंतिम गेम न खेलकर बढ़त बनाने का फैसला किया। शुरुआत में वेस्ली को थोड़ा फ़ायदा हुआ क्योंकि गुकेश ने बिशप की जोड़ी दी और शुरुआती मध्य गेम में बोर्ड पर एक गतिशील संतुलन बना रहा। गुकेश ने जवाबी खेल शुरू करने की कोशिश में एक मोहरा गँवा दिया और वेस्ली ने अथक प्रयास करते हुए राजा की तरफ़ से भी हमला किया। गुकेश ने दो छोटे मोहरों के लिए अपनी रानी गँवा दी और जल्द ही सब कुछ खत्म हो गया।

सातवें राउंड के परिणाम:

अलीरेज़ा फ़िरूज़ा (फ़्रांस, 3) आर प्रग्गनानंदा (भारतीय, 4.5) से हार गए; डूडा जान-क्रिज़्सटॉफ़ (पोलिश, 3.5) ने नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव (उज़्ब, 1.5) को हराया; वेस्ली सो (अमेरिका, 4) ने डी गुकेश (भारत, 3) को हराया; फैबियानो कारूआना (अमेरिका, 4.5) ने लेवोन अरोनियन (अमेरिका, 4) के साथ ड्रा खेला; मैक्सिम वचियर-लाग्रेव (फ्रांस, 3.5) ने सैमुअल सेवियन (अमेरिका, 3.5) के साथ ड्रा खेला।

नगर निगम में चौराहा सौंदर्यीकरण घोटाले की जांच शुरू, ईओडब्ल्यू टीम ने निर्माण से जुड़े दस्तावेज मांगे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर निगम में चौराहा सौंदर्यीकरण के नाम पर हुए करोड़ों रुपए के घोटाले की आखिरकार जांच शुरू हो गई है। मंगलवार को रीवा आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईआडब्ल्यू) की टीम डीएसपी प्रभा किरण किरो के नेतृत्व में निगम कार्यालय पहुंची। टीम ने इंजीनियरों और अधिकारियों से निर्माण कार्यों से जुड़े सभी दस्तावेज मांगे। इस मामले में ईआडब्ल्यू पहले ही वर्ष 2023 में एफआईआर दर्ज कर चुकी है।

घोटाले में नगर निगम इंजीनियर मुकेश चतुर्वेदी, रोजल सिंह, केपी शर्मा, आरपी सिंह, नार्गेंद्र सिंह, सहायक आयुक्त महेश कोरी, ठेका कंपनी यूबर्ती इंजीनियर्स, मैसर्स विकास एवं अन्य सहित 10 लोगों पर केस दर्ज किया गया था। इनके खिलाफ धारा 420, 409, 120-बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1)(ए) व 13(2) के तहत प्रकरण दर्ज है। जांच में अब तक करीब 25 लाख 46 हजार 414 रुपए की गड़बड़ी सामने आई है।

पार्षदों ने लगाया था भ्रष्टाचार का आरोपः नगर निगम पर भ्रष्टाचार का आरोप सबसे पहले पार्षदों ने लगाया था। वर्ष 2019 में शहर के प्रमुख चौराहों- पन्नीलाल चौक, लालता चौक, सिविल लाइन चौराहा और धवारी चौराहा पर सौंदर्यीकरण कार्य कराया गया था। इनमें मूर्तियां लगाना, फव्वारे बनवाना और सेल्फी प्वाइंट तैयार करने जैसे काम शामिल थे। बताया गया कि इनमें कहीं 20 लाख, कहीं 40 लाख और कहीं 80 लाख तक की राशि खर्च दिखाई गई, जबकि हकीकत में उतना खर्च हुआ ही नहीं। आरोप है कि करोड़ों रुपए का गोलमाल किया गया।

शिकायतों के बाद भी निगम प्रशासन ने नहीं लिया एक्शनः पार्षदों ने इस घोटाले की जांच की मांग कई बार एमआईसी की बैठकों में उठाई और निगम आयुक्त व अन्य अधिकारियों से शिकायत की। लेकिन निगम प्रशासन की तरफ से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद एक ऋझ्ढ एक्टिविस्ट ने भी मामला उठाया।

ईआडब्ल्यू ने जब्त किए दस्तावेजः मंगलवार को कार्रवाई के दौरान ईआडब्ल्यू टीम ने नगर निगम इंजीनियर सिद्धार्थ सिंह के चैंबर में पहुंचकर निर्माण कार्यों से जुड़े दस्तावेज जब्त किए। कलेक्टर दफ्तर तक पहुंचे इस मामले की जांच अब तेज हो गई है और आरोपी अधिकारियों पर कार्रवाई की संभावना बढ़ गई है।

पहाड़ी पर चढ़ते समय ट्रक का ब्रेक फेल, पीछे लुढ़क कर फैक्ट्री गेट पर पलटा, चालक ने कूदकर बचाई जान

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। सोमवार और मंगलवार की मध्यरात्रि में एक सीमेंट से भरा ट्रक अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री के मुख्य द्वार पर पलट गया। यूपी 96 टी 2244 नंबर का बलकार ट्रक मैहर से बरही की ओर जा रहा था। पहाड़ी पर चढ़ते समय ट्रक का ब्रेक अचानक फेल हो गया। चालक महेश ने वाहन को नियंत्रित करने का प्रयास किया। लेकिन ट्रक पीछे की ओर लुढ़कने लगा। चालक ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई।

सोमवार सुबह भी इसी तरह की एक घटना घटी थी। तब भी एक ट्रक पहाड़ी पर पीछे की ओर भागने लगा था। चालक की सूझबूझ से उस हादसे को टाला जा सका। दोनों घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ। लेकिन लगातार हो रही ऐसी घटनाएं क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं। स्थानीय प्रशासन से इस मार्ग पर सुरक्षा के उचित इंतजाम करने की मांग की जा रही है।

स्कॉर्पियो-ऑटो की टक्कर, 1 की मौत, 2 घायल; ड्राइवर फरार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के उंचेहरा थाना क्षेत्र में रामपथगमन मार्ग पर मंगलवार सुबह 7 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। नवगवां के पास एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सामने से आ रहे ऑटो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो पलट गया। हादसे में ऑटो सवार मैहर निवासी पप्पू कुशवाहा की मौके पर ही मौत हो गई। ऑटो में सवार दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल सतना में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

टक्कर के बाद स्कॉर्पियो ड्राइवर वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। उंचेहरा थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर स्कॉर्पियो ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है। हादसे की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद पप्पू का शव उछलकर रामपथगमन मार्ग से दूर खेत में जा गिरा। शुरुआत में पुलिस को ऑटो में केवल दो घायल मिले। बाद में एक ग्रामीण ने खेत में शव देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए उचेहरा अस्पताल भेज दिया है।

मंदिर समिति में हो रहे भ्रष्टाचार पर मां शारदा प्रबंध समिति के सदस्य चुप क्यों?

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। इन दिनों मां शारदा देवी धाम मंदिर समिति में भ्रष्टाचार चरम पर है लगातार मैहर जिले के कलमकारों द्वारा कई बार समिति के कर्मचारियों के भ्रष्टाचार को उजागर किया जाता है लेकिन एक बात समझ से परे है कि आखिरकार इन सब मामले पर मंदिर समिति के सदस्य चुप क्यों है एक ओर जब सचिन मिश्रा मंदिर समिति के सदस्य बने तो कई लोगों के मन में एक विचार आया की कम से कम अब मंदिर समिति में एक समझदार एवं ईमानदार व्यक्ति को सदस्य बनाया गया है अब कहीं ना कहीं मंदिर समिति में हो रहे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा क्योंकि जानकारी के मुताबिक यह भी पता चला है कि मंदिर समिति में पदस्थ सदस्य सचिन मिश्रा के संबंध मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल जी से भी हैं तो वाकई इसमें सोचने की बात है कि इस बार मां शारदा प्रबंध समिति ने एक अच्छा सदस्य चुना है लेकिन लगातार मंदिर समिति में हो रहे भ्रष्टाचार पर समिति सदस्य की चुप्पी समझ से परे है हालांकि कई बार समिति सदस्य सचिन मिश्रा के द्वारा मंदिर समिति का निरीक्षण किया जाता है एवं समिति कर्मचारियों को सही तरीके से अपना काम करने की समझाइश भी दी जाती हैं लेकिन इससे कुछ खास फर्क नहीं पड़ता क्योंकि मात्र निरीक्षण करके समझाइश देने से मंदिर समिति के कुछ भ्रष्ट कर्मचारियों को भ्रष्टाचार करने से रोका नहीं जा सकता जैसे कि इन दिनों समिति में अवैध रूप से ठेकेदारों को संरक्षण दिया जा रहा है चाहे वह बंधा बैरियल का ठेकेदार हो या फिर स्वास्तिक बिल्डिंग में स्थित सुलभ शौचालय का ठेकेदार लगातार यात्रियों से लूट के बाद भी इन ठेकेदारों पर रोक लगाने में मंदिर समिति असमर्थ नजर आ रही है क्योंकि इसका सीधा सा कारण है मंदिर समिति के भ्रष्ट कर्मचारी क्योंकि यदि इन कर्मचारियों के द्वारा अपने कार्य को पूरी तरह ईमानदारी से निभाया जाए तो मजाल है की भला कोई व्यक्ति दर्शनार्थियों से अभद्रता कर सके या उनसे लूट कर सके लेकिन जब कर्मचारी ही पूरी तरह से भ्रष्टाचार पर लिप्त है तो कार्रवाही कैसे करेंगे हालांकि मेरा मंदिर समिति के सदस्य से कहना है की मंदिर समिति पर हो रहे भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए कोई ठोस कदम उठाएं जिससे समिति सदस्य के प्रति आम लोगों में एक अच्छा संदेश जाए।

जनसुनवाई में सुनी गई 94 आवेदकों की समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशन में मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई में अपर कलेक्टर विकास सिंह तथा डिप्टी कलेक्टर बीके मिश्रा ने जिले के दूर-दराज के क्षेत्रों से आये 94 आवेदकों से उनकी समस्यायें सुनी और अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिये। जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, खाद्यान पात्रता पर्ची, दाखिल-खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, विद्युत समस्या, जमीन का कब्जा दिलाने, सीमांकन कराने, चिकित्सा सहायता, रोजगार दिलाने, भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे।

शादी का झांसा देकर 6 साल किया शोषण, गर्भपात कराया और दूसरी युवती से की शादी; आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। एक युवक ने शादी का वादा करके 6 साल तक एक युवती का शोषण किया। आरोपी पुष्पेन्द्र कुशवाहा (25) ने वर्ष 2019 में पीड़िता से दोस्ती की और शादी का वादा करके उससे शारीरिक संबंध बनाए।

सिटी कोतवाली के टीआई रावेन्द्र द्विवेदी के अनुसार, आरोपी हरदुआ उबारी का रहने वाला है। उसने 2023 तक पीड़िता का शोषण किया। इस बीच उसने अपने परिवार की सहमति से दूसरी जगह शादी कर ली। पीड़िता के विरोध करने पर उसने पत्नी को छोड़कर उससे शादी करने का झूठा आश्वासन देकर शोषण जारी रखा।

जब पीड़िता गर्भवती हुई तो आरोपी ने उसे गोली खिलाकर गर्भपात करा दिया। इस कारण पीड़िता को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। मामला 24 अगस्त को पुलिस के सामने आया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मझगवा में 2 गुटों में विवाद, एमपीईबी कार्यालय के पास मारपीट, फिर रेस्टोरेंट में तोड़फोड़

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के मझगवां कस्बे में सोमवार दोपहर दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हो गई। इस घटना में कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार प्रिंस वर्मा और रवि कचेर के बीच पुरानी रंजिश चल रही थी। इसी को लेकर एमपीईबी कार्यालय के पास रवि और उसके साथियों ने प्रिंस को घेरकर गाली-गलौज की और उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद प्रिंस ने भी अपने दोस्तों को बुलाकर रवि कचेर के रेस्टोरेंट पर हमला कर दिया और वहां जमकर तोड़फोड़ की।

सीसीटीवी में कैद हुई घटनाः मारपीट की यह घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने प्राथमिक जांच के आधार पर दोनों पक्षों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मैहर जिले की जनसुनवाई में आये 38 आवेदन

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने मंगलवार को जनसुनवाई में जिले के विभिन्न अंचलों से प्राप्त 38 आवेदनों पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को निराकरण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम दिव्या पटेल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रिज्म जॉन्सन लिमिटेड ने जिला प्रशासन को 15000 फलदार पौधे प्रदान किए

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रिज्म जॉन्सन लिमिटेड ने अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत जिला प्रशासन सतना को 15,000 उन्नत किस्म के फलदार पौधे उपलब्ध कराए। इनमें आम, आंवला, नींबू, कटहल, अमरूद और जामुन जैसी प्रजातियाँ शामिल हैं। ये पौधे मध्य प्रदेश शासन के जल गंगा अभियान में सहभागिता के अंतर्गत प्रदान किए गए। जिला प्रशासन और उद्यानिकी विभाग के सहयोग से ये पौधे संबंधित ग्राम पंचायतों के माध्यम से ग्रामीण परिवारों तक पहुँचाए जा रहे हैं, ताकि घरेलू स्तर पर हरियाली बढ़े, मिट्टी एवं जल संरक्षण को प्रोत्साहन मिले और भविष्य में किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर प्राप्त हो सकें।

इस जानकारी की पुष्टि करते हुए प्रिज्म जॉन्सन लिमिटेड के डीजीएम (सीएसआर एंड जनसंपर्क) देवेन्द्र मिश्रा ने बताया कि कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस. की उपस्थिति में ये पौधे कंपनी के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट (एचआरएम एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स) डॉ. मनीष कुमार सिन्हा द्वारा उद्यानिकी विभाग के डीडीए अनिल सिंह और जिला उद्योग विभाग के आर. एल. पाण्डेय को सौंपे गए।

इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस. ने कहा, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए सामुदायिक भागीदारी और कॉर्पोरेट सहयोग आवश्यक है। उद्यानिकी एवं वन विभागों के साथ मिलकर चलाए जा रहे ऐसे पौधारोपण और संरक्षण कार्यक्रम ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं पर्यावरण, दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध होंगे। डॉ. मनीष कुमार सिन्हा, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट (एचआरएम एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स) ने कहा, कंपनी का उद्देश्य क्षेत्र को अधिक हरा-भरा बनाना और समुदाय को पौधारोपण के लिए प्रेरित करना है। इसी उद्देश्य से हम लगातार ग्रामीणों के बीच फलदार पौधों का वितरण कर रहे हैं, ताकि लोग इन्हें घर, आँगन और खेतों में लगाएँ तथा उनकी देखभाल करें।

सिन्धु विकास समिति को सतना मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसियेशन ने किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विंध्य क्षेत्र की अग्रणी समाज सेवी संस्था सिन्धु विकास समिति की सेवाओं से प्रभावित होकर सतना मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन परिवार ने आयोजित वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर महापौर योगेश ताम्रकार संस्थाध्यक्ष मनोज शर्मा चेंबर अध्यक्ष सतीश सुखेजा सीएमए अध्यक्ष फ़ेरूमल तोलवानी एवं भागवत सिंह तिवारी महामंत्री अभिषेक जैन जी ने संस्था की सेवाओं को सम्मानित किया।

सम्मान संस्था के संरक्षक मनोहर डिगवानी अध्यक्ष विनोद गेलानी मंत्री संजय वाधवानी सहमंत्री दिलीप सोनी सदस्य मनीष सदानी एवं सहयोगी भरत आहूजा ने ग्रहण किया। संस्था पिछले 32 वर्षों से निरंतर सामाजिक क्षेत्र में कार्य कर रही है जिसमें सर्वसमाज को रक्त की सेवा प्रदान करना एवं श्री नारायण मुक्तिधाम का नवनिर्माण प्रमुख है।

संस्था के सम्मानित होने पर श्रीचन्द मनवानी गोपी गेलानी ज्ञान खटवानी इंद्रलाल आडवाणी घनश्याम मंघनानी दीपक वाधवानी रंजीत सेनानी बसंत खत्री महेश रावलानी गंगाराम सचदेव मनीष टेकवानी पंकज आहूजा अनिल मोटवानी जितेंद्र गावरी अमित कामरानी सहयोगी मनमोहन माहेश्वरी विभाष बनर्जी आकाश बनर्जी बसंत शर्मा जेठानंद वाधवानी ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।